सफलता के उच्चतम शिखर पर

रानी पोद्दार

MUMBAI REGIONAL CONGRESS COMMITTEE
Rajiv Gandhi Bhavan
Azad Maidan, Mahapalika Marg, Mumbai - 400 001.
Tel. No. 2262 1114 • Fax : 2261 5797 • E-mail : mumbaicongress@rediffmail.com

KRIPASHANKAR SINGH M.L.A.
President

dt. 06th January, 2011

Shri PRTHIVIRAJ JI CHAVAN
Hon'ble CHIEF MINISTER OF MAHARASHTRA,
Mantralaya
Mumbai

Respected Prithviraj ji Chavan Saheb,

Please find enclosed herewith the profile of Mr. Smt. Rani Kailash Poddar, Textile Industrialist and Founder of Puncham "A Child Aid Association".

Smt. Rani Poddar is generating and executing many other welfare schemes in the city through the medium of her trusts, in the fields like social, educational, religious, health & medical, art, and culture, handicaps rehabilitation, women and children welfare sports promotion etc. from the past 30 years and still continuing his efforts to promote the welfare of the city and its needy inhabitants.

With all of his social efforts I kindly request your good self to recommed Smt. Rani Poddar for Padmabhushan Award and do the needful.

Thanking You.

Yours,

(Kripashankar Singh)

5-11, Paradise Apartment, 1st Floor, 44, Jagmohandas Mehta Marg,
(Nepean Sea Road), Bombay - 400 006 (India) Tel. 367 8583.

Dr. Sitara Devi
Acharya Sukhdev Maharaj
Vidyapeeth

Registration No. E-12995 (Mumbai)

BANARAS GHARANA, MUMBAI

To : Her Excellency, Smt Pratibha Patil,
Honourable President of India
Rashtrapati Bhavan
New Delhi

20th Jan, 2011

Highly Respected Madam,

I hope this letter finds you in the best of health and I send you my sincerest wishes for your continued wellbeing and that of your family.

It is a pleasure for me to introduce to you, **Smt. Rani Kailash Poddar, of Mumbai**, who I have personally known as a close friend for more than the last thirty-five years. She is an exemplary individual and citizen who has used her fortunate position as a member of one of the city's leading industrialist families, **to bring hope and advancement in the critical area of child welfare, public health and education for the ordinary and under-privileged sections of our society.** As Founder and one of the leading lights of the welfare organization **–"Puncham Child-Aid Association'**- she has been on the forefront of bringing basic health facilities and infrastructure to the under-privileged, including her untiring efforts to assist the handicapped, blind and cancer, aid associations.

I have also known her always to be of immediate assistance and support when it came to the promotion of my dance form, Kathak, as also all other genres of performance, arts and crafts. She has financially and personally supported various cultural organizations and assisted many individual artists to reach their full potential.

I herewith recommend her as a recipient of the Padma Purashkar, granted from your high offices. She has worked conscientiously and untiringly to help the poor and needy, and I request you to consider her worthy of this high acknowledgement in the admirable field of Social Work .

With Highest Regards and Blessings,
Yours Truly,

Sitara Devi
Kathak Queen
Tel : 65180143

Dr. B.K. Goyal

12th January, 2011

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

I have great pleasure in stating that Ms. Rani Podar is an outstanding social activist. She has contributed immensely to the welfare of citizens through various social organizations founded by her.

I strongly recommend that she should be considered for a Republic Day honour in the field of social service.

Lotus House, Marine Lines, Mumbai 400 020. (INDIA)
Phone : 2203 7777 / 2367 9999 • Mobile : 98201-54445 • e-mail : drbkgoyal@hotmail.com

एंजेल ऑफ द सिटी

रानी पोद्दार

'टाइम्स ऑफ इंडिया' की ओर से उन्हें 'एंजेल ऑफ द सिटी' अर्थात 'शहर की देवदूत' की उपाधि से नवाज़ा जा चुका है। आखिर हो भी क्यों नहीं, क्योंकि आज रानी पोद्दार की ओर से ग़रीबों, ज़रूरतमंदों, अपंगों तथा अबला-असहाय नारियों के लिए किये जा रहे कार्य और मदद के लिए बढ़ाये जा रहे हाथ किसी देवदूत के ही हो सकते हैं

चेहरे पर सदा मनमोहक मुस्कान लिये लोगों से मिलनेवाली और लोगों की हर तरह से सहायता करने में निःस्वार्थ भाव से जुटीं श्रीमती रानी कैलाश पोद्दार ने समाज सेवा करने का जो बीड़ा उठा रखा है, उसकी ख्याति दूर-दूर तक कस्तूरी की भांति फैल चुकी है। 1980 में पांच महिला सदस्यों के साथ मिलकर 'पंचम' नामक संस्था की स्थापना कर समाज सेवा तथा लोगों की मदद करने का जो

महत्वपूर्ण कार्य श्रीमती रानी पोद्दार ने शुरू किया था, तीन दशक में आज वह काफी फैल चुका है और 'पंचम' संस्था आज एक वटवृक्ष की तरह बढ़ चुकी है। साथ ही बढ़ चुकी है इसके सदस्यों की संख्या तथा इसके जनसेवी कार्यों की फेहरिश्त।

रानीजी के इन निःस्वार्थ जनसेवी कार्यों को देखते हुए भारत के सबसे प्रतिष्ठित अंगरेज़ी दैनिक अखबार 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की ओर से उन्हें 'एंजेल ऑफ द सिटी' अर्थात 'शहर की देवदूत' की उपाधि से नवाज़ा जा चुका है। आखिर हो भी क्यों नहीं, क्योंकि आज रानी पोद्दार की ओर से ग़रीबों, ज़रूरतमंदों, अपंगों तथा अबला-असहाय नारियों के लिए किये जा रहे कार्य और मदद के लिए बढ़ाये जा रहे हाथ किसी देवदूत के ही हो सकते हैं।

श्रीमती पोद्दार सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक गतिविधियों तथा कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं और ज़रूरत पड़ने पर मुक्त हस्त से आर्थिक मदद करने में भी पीछे नहीं रहतीं। अपनी इसी उदार तथा मददगार छवि के कारण वह शहर और शहर के बाहर देश के अन्य हिस्सों में स्थित विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के बीच भी लोकप्रिय हैं और अनेक सम्मान हासिल कर चुकी हैं।

श्रीमती पोद्दार ने भीड़भाड़ तथा व्यस्त जगहों वाले विभिन्न स्थानों पर आम जनता की प्यास बुझाने के लिए शीतल पेयजल केंद्र (प्याऊ) बनवाये। आज इन पेयजल केंद्रों से लाखों लोग अपनी तृष्णा शांत कर रहे हैं।

इसके अलावा समय-समय पर विशेषकर भयंकर गर्मी के मौसम में मैं खुद अपनी 'पंचम' की सहयोगियों के साथ झुलसती गर्मी भरी दोपहर में लोगों को खुद अपने हाथों से शर्बत पिलाती हूं। यह कार्य मैं अगर चाहती, तो अपने मातहत काम करनेवाले लोगों से भी करवा सकती थी, लेकिन वह मानती हैं कि सच्ची सेवा लोगों की भूख-प्यास मिटाकर उन्हें राहत पहुंचाने में है। कहा भी गया है कि भूखे को भोजन क-

अधिकतर बच्चे माता-पिता की उंगली पकड़कर उनके बताये रास्ते पर चलकर ही सफलता प्राप्त करते हैं, लेकिन मुझे फख्र है और खुद को गौरवान्वित महसूस करती हूं कि आज मैं अपने बेटे के दिखाये रास्ते पर चल रही हूं और मेरा आदर्श मेरा बेटा है।

राने और प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई कार्य नहीं है। फिर भला इस पुण्य से वह खुद को वंचित क्यों रखतीं? इसलिए वह अक्सर लोगों की सेवा में खुद जुट जाती हैं।

श्रीमती पोद्दार ने बताया कि ऐसे जनसेवी कार्यों पर 'टाइम्स ऑफ इंडिया' के अखबारनवीसों की नज़र पड़ गयी। उन्होंने सोचा कि जो संभ्रांत महिला महंगी गाड़ियों में घूमती है, वातानुकूलित कार्यालय में बैठती है और जिसके मातहत सैकड़ों बंदे काम करते हैं, अगर वह चाहे, तो यह काम उनसे करवा सकती है, खुद उसे भारी गर्मी में झुलसते हुए यह कार्य करने की क्या ज़रूरत है। हो सकता है कि उन्हें मेरी इस समाज सेवा में निःस्वार्थ भावना दिखायी दी हो और उन्होंने मुझे 'एंजेल ऑफ दि सिटी' खिताब से नवाज़ा।

श्रीमती रानी पोद्दार के अनुसार उनके पति श्री कैलाश पोद्दार तथा परिवार के सदस्य सदैव उन्हें जनसेवा के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उनके प्रोत्साहन का ही प्रभाव है कि मैं लोगों की तन-मन-धन से सेवा कर रही हूं। अपने इकलौते बेटे स्वर्गीय समीर के बारे में उन्होंने बताया कि वह काफी होनहार था। अधिकतर बच्चे माता-पिता की उंगली पकड़कर उनके बताये रास्ते पर चलकर ही सफलता प्राप्त करते हैं, लेकिन मुझे फख्र है और खुद को गौरवान्वित महसूस करती हूं कि आज मैं अपने बेटे के दिखाये रास्ते पर चल रही हूं और मेरा आदर्श मेरा बेटा है। हां, उसके असमय साथ छोड़कर जाने का दुःख मुझे ज़रूर है।

श्रीमती पोद्दार ने अपनी बेटी समता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वह दिल्ली के मशहूर गोयल परिवार में श्री प्रशांत गोयल से ब्याही गयी है। उन्होंने बताया कि बेटी समता और दामाद प्रशांत दोनों उनके फर्म में निदेशक हैं। इन दोनों ही नातों (रिश्तेदारी तथा व्यावसायिक) के कारण ये दोनों अक्सर उनके संपर्क में रहते हैं।

श्रीमती पोद्दार 'पंचम' के बैनर तले नेत्रहीनों तथा विकलांगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। उनकी सहायता के लिए वह अभी तक दस मेटाडोर और एक एंबुलेंस दान कर चुकी हैं। शिक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी अनेक कार्यक्रम तथा शिविरों का आयोजन वह समय-समय पर 'पंचम' के बैनर तले अपनी सहयोगियों के साथ मिलकर करती रहती हैं।

श्रीमती रानी पोद्दार का 'पंचम' के बैनर तले किया जानेवाला सबसे प्रमुख आयोजन है 'पंचम बाज़ार'। इसका आयोजन प्रतिवर्ष एक बार किया जाता है। 'पंचम' के प्रथम वार्षिक बाज़ार का आयोजन स्थापना वर्ष (1980) में होटल 'ताज प्रेसीडेंसी' में किया गया था। इस बाज़ार में मुख्य अतिथि के बतौर शिरकत की थी प्रसिद्ध उद्योगपति नवल टाटा की पत्नी साइमन टाटा ने। उन्होंने 'पंचम' के सदस्यों के प्रयास की काफी प्रशंसा की थी। प्रथम आयोजन में 50 स्टॉल लगाये गये थे। समय के साथ-साथ इन 30 वर्षों में स्टॉलों की संख्या बढ़कर कई गुना हो गयी है।

धार्मिक प्रवृत्ति की श्रीमती रानी पोद्दार शिर्डी के साईबाबा की अनन्य भक्त हैं। वह बांकेबिहारी की भी भक्त हैं और उनकी नियमित आराधना करती हैं। उनका मानना है कि सामाजिक तथा धार्मिक कार्य और अच्छे कर्म करने से ईश्वर प्रसन्न होता है। ईश्वर की बनायी इस खूबसूरत सृष्टि को और ज़्यादा सुंदर तथा सुखमय बनाना हम सब का परम कर्तव्य है। उनका मानना है कि उनका जन्म सिर्फ खुद या परिवार की सेवा के लिए नहीं, बल्कि समस्त समाज की सेवा के लिए हुआ है। भारतीय महिलाओं को तरक्की करते तथा आत्मनिर्भर देखकर उन्हें बड़ी खुशी होती है। उनका मानना है कि परिवार की देखरेख तथा बच्चों में अच्छे

Her Excellency, Smt. Pratibha Patil,
Honourable President of India,
Rashtrapati Bhawan,
New Delhi.

29th Dec. 2010

Soma Ghosh

Most Respected Mahamahim,

Tai Pranam!

It is with utmost humility that I wish to introduce a renowned personality of Mumbai, **Smt. Rani Kailash Poddar**, to Your Excellency. An industrialist of the textile industry, she has been serving Mumbai through "Puncham"- A Child Aid Association, for the last thirty years! She does not limit herself and readily extends support & help to various causes in many fields, especially in the sector of education and medicine.

She has even reached out and helped my trust, Madhu Murchhana, in its endeavor of promoting & preserving Indian Arts Culture and Music. Tai, it is my humble request that Smt. Rani, be kindly be considered for Padma Purashkar, so that she may work with greater enthusiasm in her service to our society. Please consider this as a humble appeal to Your most Honorable Excellency and oblige.

Hope this finds you in the best of health.

With highest regards,
Yours truly,
Soma Ghosh.
Founder Trustee,
Madhu Murchhana.

Bharat Ratna Pt. Bhimsen Joshi

Hon. President, Smt. Pratibha Patil

Hon. Dr.A.P.J.A.Kalam

Regd.Office : Kanaklata, 2, Pushpa colony, Manchubhai Road, Malad (East), Mumbai –400097
Tele Fax: (022)–28891596, E-mail : somaghosh62 @yahoo.co.in, **www.madhumurchhana.com**
Branches : Branches : Kolkata Ph :- (033) – 22485565, 22485586 Fax : 033 - 22485591
Benaras Ph: (0542) -2001555, 2318862
New Delhi – Ph: (011) 26104903 / 26172653
Trust Regd. No. T.R./36355 (Ex. U/s 12A of the Income Tax Act. 1961)

समाज के लिए एक वरदान हैं रानी पोद्दार

■ संजय त्रिवेदी

देश के एक प्रतिष्ठित उद्योगपति घराने पोद्दार परिवार की बहू श्रीमती रानी पोद्दार को समाजसेवा की ऐसी लगन लग चुकी है कि वह इसके लिए स्वयं को तन-मन-धन से पूरी तरह समर्पित कर चुकी हैं। ग़रीब, ज़रूरतमंद, बेसहारा लोगों की सहायता तथा सेवा करने को वह अपना परम कर्तव्य मानते हुए इसे एक धर्म की तरह निभा रही हैं।

मानवसेवा को वह सच्ची सेवा मानती हैं। उनका मानना है कि सच्ची मानवसेवा से ही ईश्वर का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। श्रीमती पोद्दार का कहना है, पैसा तो सभी कमाते हैं, लेकिन यदि किसी ने समाज तथा ग़रीबों, बेसहारा और ज़रूरतमंदों की मदद नहीं की, तो वह पैसा किस काम का।

आज दुनिया के तमाम ऐशोआराम, घर, बंगला, महंगी गाड़ियां, समाज में अच्छा रुतबा हासिल होने के बावजूद श्रीमती रानी पोद्दार कई बार चिलचिलाती धूप में लोगों को शर्बत पिलाते या ठंडी-बरसात में खाना परोसते, बड़ा-पाव या फल बांटते नज़र आ जाती हैं। मानवसेवा को वह सच्ची सेवा मानती हैं। उनका मानना है कि सच्ची मानवसेवा से ही ईश्वर का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है।

श्रीमती पोद्दार का कहना है, पैसा तो सभी कमाते हैं, लेकिन यदि किसी ने समाज तथा ग़रीबों, बेसहारा और ज़रूरतमंदों की मदद नहीं की, तो वह पैसा किस काम का। उनका मानना है कि यदि आप समर्थ हैं, तो आपका यह फ़र्ज बनता है कि आप सच्चे दिल से लोगों की मदद करें, उनके काम आयें। उनका कहना है कि यह ज़ज्बा हर किसी के दिल में होना चाहिये।

श्रीमती पोद्दार के अनुसार जब भी वह किसी ग़रीब, असहाय और ज़रूरतमंद को कष्ट में देखती हैं, तो उनका हृदय द्रवित हो जाता है और उस व्यक्ति की मदद करने के लिए वह आगे आ जाती हैं। किसी की ग़रीबी या बदहाली को वह उसकी नियति मानने से साफ़ इंकार करती हैं। इसके विपरीत उनका मानना है कि मदद का हाथ बढ़ाकर ऐसे लोगों की बदहाली को दूर करके उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। ऐसे किसी भी मुसीबतज़दा व्यक्ति को देखकर वह उसकी मदद करने के लिए तत्पर हो जाती हैं। उनकी यही लगन तथा जिजीविषा उन्हें व्यवसाय में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, क्योंकि उनका स्पष्ट मानना है कि जब आप आर्थिक रूप से सबल होंगे, तब निश्चित ही दूसरों की खुलकर मदद कर सकेंगे। यही कारण है कि आज समाजसेवा और व्यवसाय इनके लिए एक ही सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं।

व्यवसाय में अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद श्रीमती पोद्दार समाज सेवा के लिए कभी भी समय की कमी से नहीं जूझीं। यूं भी कहा जा सकता है कि व्यवसाय और समाज सेवा दोनों के लिए वह समान रूप से समय देती हैं। एक ओर जहां अधिकांशतः यह देखने में आता है कि धनाढ्य वर्ग की अधिकतर महिलाएं अपने ऐश्वर्य और वैभव का प्रदर्शन किट्टी पार्टियों अथवा अन्य उच्चस्तर पर आयोजित होनेवाले तड़क-भड़कवाले कार्यक्रमों में करती हैं, वहीं दूसरी ओर श्रीमती पोद्दार को ऐसी पार्टियों अथवा आयोजनों में शामिल होने में विशेष रुचि नहीं है। वह ऐसे आयोजनों में शामिल होने के बजाय उस समय का सदुपयोग ज़रूरतमंदों के काम आकर करना चाहती हैं। उनका मानना है कि आपका कमाया धन यदि किसी की आंख की रोशनी अथवा किसी के सुनने की शक्ति अथवा किसी मूक की आवाज़ बन सके, तो वह धन और आपका श्रम सार्थक है। उनका मानना है कि परोपकार में ही सच्चा

श्रीमती पोद्दार का मानना है कि सच्ची समाज सेवा वह है, जो निःस्वार्थ भाव से की जाये और जिसमें व्यक्ति नाम, यश, सम्मान, पुरस्कार और लाभ की कामना न हो। उनका मानना है कि समाज सेवा का व्यवसायीकरण करना या अपने फायदे के लिए उसका इस्तेमाल करना न केवल आडंबर है, बल्कि लोगों के साथ धोखा है।

सुख निहित है। इससे मिलनेवाले आनंद और सुख की अनुभूति को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। वह मानती हैं कि वह लोग अभागे होते हैं, जो तमाम धन-दौलत कमाने के बावजूद इस सुखद अनुभूति से वंचित रह जाते हैं।

समाज सेवा और व्यवसाय के साथ-साथ परिवार के बीच तालमेल बिठाने का भी पूरा-पूरा प्रयास करती हैं श्रीमती पोद्दार। इन दोनों क्षेत्रों में सक्रियता का असर उनकी कार्य कुशलता से कभी पारिवारिक जीवन पर नहीं पड़ा, उल्टे उनकी ज़रूरतमंदों की सेवा के प्रति लगन तथा व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए इनके पति श्री कैलाश पोद्दाजी इनकी पूरी तरह से हौसला अफजाई करते हैं। उनकी हौसला अफजाई श्रीमती पोद्दार के भीतर के जोश को दोगुना कर देती है। ज़रूरतमंदों की मदद के लिए श्रीमती पोद्दार के भीतर किस हद तक जुनून है, इसका अंदाज़ा सिर्फ इसी बात से लगाया जा सकता है कि श्रीमती पोद्दार के कार्यालय से सटा एक कमरा है, जहां वह ज़रूरतमंदों को हमेशा उपलब्ध रहती हैं और उनकी समस्या का समाधान करती हैं।

समाज सेवा जिनके लिए लगन बन चुकी है

आज दीन-दुखियों की हमेशा मदद करने वाली श्रीमती पोद्दार के जीवन में कुछ बरस पहले एक दुःखद घटना घटी, जिसमें उनके इकलौते पुत्र समीर की अकस्मात मृत्यु हो गयी। इस हृदयविदारक घटना से इनके पति कैलाशजी पोद्दार काफी टूट गये। टूटीं तो श्रीमती पोद्दार भी, लेकिन इन्होंने अपने दिल पर पत्थर रखकर न केवल पति को ढांढ़स बंधाया, बल्कि व्यवसाय में हाथ बंटाकर उन्हें संबल भी प्रदान किया। श्रीमती पोद्दार अपने पुत्र समीर के भविष्य की योजनाओं और उसके देखे सपनों को पूरा करने में काफी तल्लीनता से जुटी हुई हैं। इस प्रयास में उन्हें काफी हद तक सफलता भी मिली और वह उसके देखे अनेक सपनों को वास्तविकता के धरातल पर उतारते हुए साकार कर चुकी हैं।

श्रीमती पोद्दार का मानना है कि सच्ची समाज सेवा वह है, जो निःस्वार्थ भाव से की जाये और जिसमें व्यक्ति नाम, यश, सम्मान, पुरस्कार और लाभ की कामना न हो। उनका मानना है कि समाज सेवा का व्यवसायीकरण करना या अपने फायदे के लिए उसका इस्तेमाल करना न केवल आडंबर है, बल्कि लोगों के साथ धोखा है।

समाज सेवा में रत श्रीमती पोद्दार की अनेक भावी योजनाएं हैं, जिन्हें साकार करने का ताना-बाना बुनने में वह जुटी हुई हैं। इनमें से प्रमुख है उत्तर प्रदेश में एक कॉलेज खोलना, जिसमें ग़रीब तथा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के बच्चों को बिना डोनेशन के उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके। अपने पुरखों की मातृभूमि राजस्थान में बच्चों के लिए एक उद्यान बनाने तथा बिसाऊ (राजस्थान) में वृद्ध लोगों के लिए नाना-नानी

शारीरिक रूप से अपंग लोगों के लिए टेलीफोन बूथ उपलब्ध करवाने की उनकी योजना है। अपंग लोगों को ट्राइसिकल दान करने की योजना है, ताकि वह इसकी सवारी करके अपने नौकरी-धंधे पर जा सकें और आत्मसम्मान के साथ जी सकें। दृष्टिहीन लोगों को टेपरिकॉर्डर देने की योजना पर भी कार्य कर रही है।

पार्क बनाने की श्रीमती पोद्दार की योजना है। श्रीमती पोद्दार की भविष्य की योजनाओं में शामिल हैं महाराष्ट्र में ऐसे अनेक स्कूलों की स्थापना करने की जहां गरीब और लाचार परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा सके। इसके लिए वह राज्य सरकार के सहयोग की आकांक्षी हैं। यदि सरकार जमीन उपलब्ध करायेगी, तो वह ऐसे स्कूलों की स्थापना अवश्य करेंगी, जहां निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था होगी। दो इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की कार्रवाई में जुटी हुई हैं - एक दिल्ली के पास मेरठ में तथा दूसरा मुंबई के पास करजत में।

शारीरिक रूप से अपंग लोगों के लिए टेलीफोन बूथ उपलबध करवाने की उनकी योजना है। अपंग लोगों को ट्राइसिकल दान करने की योजना है, ताकि वह इसकी सबारी करके अपने नौकरी-धंधे पर जा सकें और आत्मसम्मान के साथ जी सकें। दृष्टिहीन लोगों को टेपरिकॉर्डर देने की योजना पर भी कार्य कर रही है। हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी विषय में प्रथम आनेवाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने की योजना बनायी है। युवा लड़कियों को भारतीय नृत्य में असाधारण कौशल दिखानेवाली छात्राओं को पुरस्कृत करने की योजना भी बनायी है। श्रीमती पोद्दार के नाम से एक सालाना ट्रॉफी प्रदान की जाती है, जो वर्ष के सर्वश्रेष्ठ स्कूल के लिए है। 2010 में यह ट्रॉफी वार्डन रोड, मुंबई के ग्रीन लॉन्स स्कूल को प्रदान की गयी। एक म्यूनिसिपल स्कूल को गोद लेने की योजना है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में रानी पोद्दार ने जिस प्रेरणा का संचार किया है वह अद्वितीय है। वह जब भी सोचती हैं महिलाओं के विकास के बारे में सोचती हैं। उन्होंने महिलाओं को समाज में अपनी ज़िम्मेदारियों का अहसास करवाने में अहम भूमिका निभायी, जिसका प्रतिफल है कि आज पंचम में उनकी सहयोगी सदस्य महिलाओं की संख्या 180 तक पहुंच गयी है।

बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी श्रीमती रानी पोद्दार

मानवता की अनुपम आदर्श, कानपुर की उष्मा से बनी सीधी-सच्ची, अनुशासन प्रिय और कर्मठ महिला हैं श्रीमती रानी पोद्दार। इनके अक्षय भंडार से समाज में व्याप्त समस्या, भावुकों की सद्भावना तथा सदाचारियों के सदाचरण की रक्षा हो रही है। श्रीमती पोद्दार का व्यक्तित्व सरल है और कोमलता तथा पर दुःख कातरता आदि गुण इनमें विद्यमान हैं। धर्म, राष्ट्र, सभ्यता, संस्कृति, आचार-विचार की अनन्य उपासक हैं। कोमल हृदय होने के बावजूद आत्मविश्वास तथा दृढ़संकल्प शक्ति इनके अंदर विद्यमान है, जिसके कारण हर झंझावात से निपटकर सफलता हासिल कर ही लेती हैं। मृदुता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति हैं। श्रीमती पोद्दार के संपर्क में जो भी व्यक्ति आता है वह उनके मानवीय गुणों से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। दिल और दिमाग के बीच बेहतर संतुलन के कारण विवेकशील हैं और कभी आवेश, उद्वेग, भावावेश के कारण उत्तेजना या असंतुलन का शिकार नहीं होतीं। एक सच्चे कर्मयोगी की भांति अनासक्त भाव से समाज सेवा तथा

| cmyk

6

रानी पोद्दार ने निःस्वार्थ समाजसेवक के रूप में अपार लोकप्रियता हासिल की है, तो दूसरी ओर चिकित्सा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देकर मानव-सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। इन्होंने धार्मिक आयोजनों के जरिये जहां समाज में आध्यात्मिकता की लौ जगाने का काम किया है, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक आयोजनों के जरिये अपने पर्व और त्यौहारों तथा संस्कृति का संवर्धन करने का महत्वपूर्ण काम कर रही हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने कई कलाकारों को कामयाबी के शिखर तक पहुंचाने में अपना योगदान दिया है।

व्यवसाय के क्षेत्र में अपने प्रकाश (आलोक) की किरणें (रश्मियां) बिखेर रही हैं।

गिने-चुने और कम से कम शब्दों में सटीक बात कह देनेवाली श्रीमती पोद्दार मंच की कुशल वक्ता भी हैं। व्यवहार कुशलता, स्पष्टवादिता और मिलनसारिता उनके व्यक्तित्व की अनुपम पूंजी हैं। उन्होंने निःस्वार्थ समाजसेवक के रूप में अपार लोकप्रियता हासिल की है, तो दूसरी ओर चिकित्सा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देकर मानव-सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। इन्होंने धार्मिक आयोजनों के जरिये जहां समाज में आध्यात्मिकता की लौ जगाने का काम किया है, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक आयोजनों के जरिये अपने पर्व और त्यौहारों तथा संस्कृति का संवर्धन करने का महत्वपूर्ण काम कर रही हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने कई कलाकारों को कामयाबी के शिखर तक पहुंचाने में अपना योगदान दिया है। शीतल जल केंद्रों की स्थापना और विविध आयोजनों के जरिये आमजन की सेवा में तत्पर हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी वह अपनी कीर्ति पताका फहरा रही हैं। कलात्मक प्रदर्शनियों के आयोजन के माध्यम से उन्होंने मारवाड़ी स्त्रियों तथा अन्य समाज की महिलाओं की रचनात्मकता को उभारकर एक विस्तृत प्लेटफार्म उपलबध कराने का सराहनीय कार्य किया है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में रानी पोद्दार ने जिस प्रेरणा का संचार किया है वह अद्वितीय है। वह जब भी सोचती हैं महिलाओं के विकास के बारे में सोचती हैं। उन्होंने महिलाओं को समाज में अपनी ज़िम्मेदारियों का अहसास करवाने में अहम भूमिका निभायी, जिसका प्रतिफल है कि आज पंचम में उनकी सहयोगी सदस्य महिलाओं की संख्या 180 तक पहुंच गयी है। श्रीमती पोद्दार शिक्षा पाने तथा इलाज करवाने में असमर्थ हर उस व्यक्ति का ज़िम्मा अपने कंधों पर उठाती हैं, जो वास्तव में इसका पात्र हो।

समाज सेवा के इस कार्य में समय-समय पर श्रीमती पोद्दार को अनेक लोगों का सहयोग और प्रोत्साहन मिला। वह महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल श्री लतीफ तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बिल्किस लतीफ की विशेष आभारी हैं, जिन्होंने उन्हें भरपूर सहयोग दिया। वह महाराष्ट्र पुलिस के पूर्व महानिदेशक डॉ. पी.एस. पसरीचा की भी विशेष आभारी हैं, जिन्होंने मुंबई में पंचम की ओर से स्थापित शीतल जल केंद्रों (प्याऊ) को स्थापित करने में विशेष मदद की। यशराज बैनर के श्री यश चोपड़ा की पत्नी श्रीमती पामेला चोपड़ा की भी वह विशेष आभारी हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया और आज वह उनकी अभिन्न मित्र हैं।

श्रीमती पोद्दार का मानना है प्रतिभा जन्मजात होती है। यदि अच्छा मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिले तो सुविधाओं से वंचित बच्चे भी अपना सर्वांगीण विकास कर सकते हैं और प्रतिभाशाली बन सकते हैं।

बाबुल के आंगन से ससुराल की दहलीज तक

स्कूल के ड्रामे में परी के पात्र में श्रीमती रानी पोद्दार (बायें से तृतीय) तथा अन्य सहपाठी

बचपन, सगाई, शादी

श्रीमती रानी पोद्दार का जन्म उद्योग नगरी के रूप में प्रख्यात उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध शहर कानपुर में भारतीय गणतंत्र दिवस अर्थात 26 जनवरी, 1952 को शहर के एक लब्ध प्रतिष्ठित संपन्न मारवाड़ी परिवार में हुआ था। इनकी माता का नाम श्रीमती रुक्मिनीदेवी तथा पिता का नाम पन्नालालजी बेरीवाल है। इनके पिता व्यवसाय करते थे। माता सीधी-साधी घरेलू महिला थीं।

श्रीमती पोद्दार की प्रारंभिक शिक्षा बालिका विद्यालय कानपुर में हुई। तदनंतर श्रीमती पोद्दार ने बी.ए. (ऑनर्स) तक की शिक्षा ग्रहण की। अध्ययन के दौरान संगीत और खेल उनके प्रिय शौक रहे हैं।

कॉलेज की शिक्षा समाप्त होते ही श्रीमती पोद्दार की सगाई कैलाश पोद्दार के साथ कर दी गयी। शीघ्र ही श्री कैलाश पोद्दार के साथ उनका विवाह संपन्न हुआ और सात फेरों के बाद परिणय-सूत्र बंधन में बंधकर वह बाबुल के आंगन से ससुराल आयीं। श्री पोद्दार राजस्थान के एक संपन्न, समृद्ध पारंपरिक राजस्थानी परिवार से संबद्ध हैं। श्रीमती रानी पोद्दार बिसाऊ के जगप्रसिद्ध सेठ जोरावरमल नाथूराम घराने की बहू हैं।

श्रीमती रानी पोद्दार के बचपन की एक तस्वीर

रानी पोद्दार की बचपन की एक भावभंगिमा

कॉलेज के एक नाटक में पारंपरिक मराठी वेशभूषा मे भूमिका निभाते हुए श्रीमती रानी पोद्दार तथा उनकी सहपाठिनें

श्रीमती रानी पोद्दार के किशोरावस्था की एक आकर्षक तस्वीर (13)

श्रीमती रानी पोद्दार के युवावस्था की एक मनमोहक तस्वीर (14)

(15) खेलप्रेमी श्रीमती रानी पोद्दार बैडमिंटन रैकेट के साथ खेल के दौरान फुर्सत के क्षणों में

श्रीमती रानी पोद्दार विवाह के जोड़े में सजी हुई जयमाल के पश्चात फुर्सत के क्षणों में

विवाह के पश्चात सुखी दांपत्य जीवन के सपनों में खोयीं श्रीमती रानी पोद्दार

सगाई के अवसर पर झूले का आनंद लेते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

श्रीमती रानी पोद्दार विवाह समारोह के दौरान अपनी मां श्रीमती रुक्मिनीदेवी बेरीवाल का प्यार और वात्सल्य तथा कानपुर घराने के प्रतिष्ठित एवं प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी पिता श्री पन्नालालजी बेरीवाल का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए

सगाई के समय अपने मंगेतर
श्री कैलाश पोद्दार के साथ
श्रीमती रानी पोद्दार

श्रीमती रानी पोद्दार विवाह के अवसर
पर सोलह श्रृंगार के साथ

श्रीमती रानी पोद्दार
और श्री कैलाश पोद्दार
विवाह के दौरान

श्री कैलाश पोद्दार कन्यादान विधि के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार का हाथ अपने हाथों में थामे हुए

श्रीमती रानी पोद्दार और श्री कैलाश पोद्दार विवाह के दौरान सात फेरे लेते हुए

श्रीमती रानी पोद्दार श्री कैलाश पोद्दार के साथ वरमाला के पश्चात फुर्सत के क्षणों में

परिवार

श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार दामाद प्रशांत गोयल तथा पुत्री समता की शादी के रिसेप्शन में मंच पर

मायके के उच्च संस्कार और परिवार की समृद्ध परंपरा की वाहक

कानपुर के एक संपन्न, सुसंस्कारी मारवाड़ी परिवार में जन्मीं श्रीमती रानी पोद्दार श्री कैलाश पोद्दार के साथ विवाह के पश्चात जब बाबुल के आंगन से ससुराल आयीं तो अपने साथ मायके के उच्च संस्कार साथ लेकर आयीं। श्रीमती रानी पोद्दार के ससुर स्व. घनश्यामदासजी पोद्दार एक प्रसिद्ध व्यवसायी थे और उनकी उद्योग-जगत में अच्छी साख थी। वह काफी उदार तथा खुले विचारों के थे और बहू तथा बेटी में कोई फर्क नहीं करते थे। उन्होंने रानी पोद्दार को हमेशा जीवन में आगे बढ़ने और सुकार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी सास रतनीदेवी भी उन्हें बहुत चाहती थीं। उनके परिवार में पति श्री कैलाश पोद्दार, बेटे समीर (अब दुनिया में नहीं है), बेटी समता गोयल, नाती सुक्रीत, बेटे शुभम पोद्दार और दामाद प्रशांत गोयल का समावेश है।

श्रीमती रानी पोद्दार को खाना बनाने का बेहद शौक है। वह अपने हाथों से विभिन्न लजीज व्यंजन बनाकर अपने परिवार तथा मेहमानों की आवभगत करती हैं। उनके हाथ के बने लजीज व्यंजनों का स्वाद न केवल परिजन बल्कि कई विशिष्ट लोग भी ले चुके हैं और मुक्तकंठ से उनकी पाक कला की तारीफ कर चुके हैं। 58 साल की उम्र पार कर चुकीं श्रीमती पोद्दार आज भी एक कुशल गृहिणी के रूप में अपने परिवार की ज़िम्मेदारी भलीभांति उठा रही हैं।

अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत से ही उन्होंने अपने पति श्री कैलाश पोद्दार का जीवन के हर मोड़ पर कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया। उन्होंने घर-परिवार की मर्यादा को सदैव बनाये रखा और हमेशा उसे प्राथमिकता दी।

एक बहू, पत्नी, तथा मां सहित अन्य रिश्तों का सम्मान करते हुए पारिवारिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन इन्होंने काफी शिद्दत से किया। श्रीमती रानी पोद्दार अपने परिवार की गौरवशाली उच्च आदर्श परंपरा का भलीभांति निर्वाह आज भी पूरे लगन से कर रही हैं।

अपने इकलौते बेटे स्वर्गीय समीर के बारे में उन्होंने बताया कि वह काफी होनहार था। जिस उम्र में लोग कैरियर बनाने और सफलता पाने के लिए संघर्ष करते हैं, उस उम्र में समीर ने वह मुकाम हासिल कर लिया था, जो उसकी उम्र के नौजदान ख्वाब में भी नहीं सोच सकते।

अपने इकलौते बेटे स्वर्गीय समीर के बारे में उन्होंने बताया कि वह काफी होनहार था। जिस उम्र में लोग कैरियर बनाने और सफलता पाने के लिए संघर्ष करते हैं, उस उम्र में समीर ने वह मुकाम हासिल कर लिया था, जो उसकी उम्र के नौजवान ख्वाब में भी नहीं सोच सकते। श्रीमती पोद्दार ने अपनी बेटी समता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वह दिल्ली के मशहूर गोयल परिवार में श्री प्रशांत गोयल से ब्याही गयी है। वह अपनी ससुराल में मायके के सारे उच्च तथा आदर्श संस्कार लेकर गयी है।

अपने मधुर व्यवहार तथा सेवा-भावना से उसने परिवार के प्रत्येक व्यक्ति का मन मोह लिया है। श्रीमती पोद्दार ने बताया कि समता ने मुंबई के प्रसिद्ध सिड्नहम कॉलेज से बी.कॉम. तक शिक्षा प्राप्त की है। 'इकेबाना' की कला में उसे महारथ हासिल है। 'कत्थक क्वीन' के नाम से मशहूर प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सितारा देवी से उसने 'कत्थक निपुणा' की उपाधि प्राप्त की है। इतनी शिक्षित तथा उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद वह स्वभाव से काफी विनम्र और शालीन है। आज उसने अपना एक अहम मुकाम बना लिया है और लोग उसके नाम से मुझे पुकारते हैं, "वो देखो, समता की मम्मी आ रही हैं।" यह देखकर मुझे बड़ा गर्व होता है कि लोग मुझे समता की मम्मी के नाम से जानते हैं। एक मां इससे ज़्यादा और क्या चाह सकती है?

जीवन में आये उतार-चढ़ावों को श्रीमती पोद्दार ईश्वर की इच्छा मानती हैं। उनका कहना है कि उनके पति ने उन्हें दुनिया का हर सुख प्रदान किया है। अगर कुछ कमी रह भी गयी थी, तो उसे मेरे बच्चों ने पूरा कर दिया। ईश्वर की कृपा से आज मैं हर तरह से सुखी और संपन्न हूं।

श्रीमती रानी पोद्दार अपने ससुर स्व. श्री घनश्यामदासजी पोद्दार तथा सासूमां श्रीमती .....रतनीदेवी पोद्दार के साथ

परिवार में आयोजित
अपनी पुत्री समता के
जन्मदिन समारोह में केक
कटवाते हुए श्रीमती रानी
पोद्दार, पुत्र समीर पोद्दार
तथा परिवार के सदस्य
और नन्हें-मुन्ने बच्चे

अपने पति श्री कैलाश
पोद्दार के साथ अंतरंग
क्षणों में एक-दूसरे में खोयीं
श्रीमती रानी पोद्दार

पुत्री समता इकेबाना
का सर्वश्रेष्ठ एवार्ड
प्राप्त करते हुए

पुत्री समता को गोद में
लिये हुए वात्सल्य-मूर्ति
श्रीमती रानी पोद्दार

पुत्र समीर को
स्केटिंग सिखाते हुए
श्रीमती रानी पोद्दार

पुत्री समता श्रीमती वाणी
गणपति से गायन स्पर्धा
का एवार्ड प्राप्त करते हुए

समता बचपन में
पारंपरिक राजस्थानी
परिधान में

पंचमपुर की तीज
समारोह में पुत्र समीर
तथा पुत्री समता के साथ
श्रीमती रानी पोद्दार

क्वीन मेरी स्कूल के वार्षिक
समारोह में पुत्री समता नृत्य-कला
का प्रदर्शन करते हुए इस नृत्य
का प्रथम पुरस्कार समता को
हासिल हुआ। इस नृत्य का प्रथम
पुरस्कार समता को हासिल हुआ

रानी पोद्दार दामाद
प्रशांत गोयल की
बलाइयां लेते हुए

पुत्री समता के विवाह के समय श्रीमती
रानी पोद्दार अपनी पुत्री समता को गोद
में बिठाकर उल्लास के क्षणों में

प्रशांत गोयल समता को
वरमाला पहनाते हुए
एक : मनमोहक दृष्य

अपनी बहन समता की शादी में दुलार प्रकट करते हुए भाई समीर पोद्दार

पुत्री समता गोयल तथा दामाद प्रशांत गोयल

लाडला पुत्र शुभम पोद्दार

पुत्र समीर पोद्दार अपनी पत्नी के साथ (खड़े हुए) बहन समता एवं बहनोई प्रशांत गोयल की सगाई के अवसर पर

नाती सुक्रीत गोयल को गोद में उठाये हुए श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं श्री कैलाश पोद्दार

वात्सल्यमयी नानी की तरह अपने नाती शुक्रीत को नाश्ता कराते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

श्रीमती रानी पोद्दार एवं श्री कैलाश पोद्दार लाडले पुत्र शुभम पोद्दार के साथ

श्रीमती रानी पोद्दार तथा पुत्र शुभम पोद्दार को रामायण की प्रति भेंट कर सम्मान करते हुए मुंबई रामलीला समिति के पदाधिकारी

पंचम के अनूठे फैशन शो में अपनी बेटी समता को ममता भरा दुलार करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

000000

व्यवसाय

एनबीटी के 'उड़ान पुरस्कार-2010' समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री अशोक चव्हाण के साथ चर्चा करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

व्यवसाय में सफलता का परचम लहरातीं

वस्त्र उद्योग क्षेत्र की जानी-मानी कंपनी नाथूराम रामनारायण प्रा. लि. में प्रबंध निदेशक के बतौर अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन कर रहीं श्रीमती रानी पोद्दार को व्यवसाय के गुण जन्मजात प्राप्त हुए हैं। उनके पिता स्व. श्री पन्नालालजी बेरीवाल कानपुर के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी थे, जिनकी शहर के व्यवसाय-जगत में अच्छी साख थी। बचपन से ही श्रीमती पोद्दार ने व्यावसायिक माहौल को अपने इर्द-गिर्द देखा। शादी के पश्चात जब वह पोद्दार घराने की बहू बनीं तो उन्हें व्यवसाय की और अधिक व्यापकता से रू-ब-रू होने का मौका मिला। विवाह के पश्चात ससुर के प्रोत्साहन और पति श्री कैलाश के समर्थन और सहयोग से श्रीमती पोद्दार ने भी व्यवसाय के क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने अपने पुश्तैनी व्यवसाय की बारीकियों को समझा और इसे और अधिक विस्तार देने के काम में जी-जान से जुट गयीं। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लायी और आज वह व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं।

एन. आर. प्रा. लि. की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती रानी पोद्दार का सिल्क तथा डिजाइनर साड़ियों का व्यवसाय है। पोद्दार परिवार के बुजुर्गों ने आज से लगभग 100 बरस पहले सूती कपड़े का व्यवसाय प्रारंभ करके इसकी नींव रखी थी, जिसे श्रीमती पोद्दार ने अपनी अथक मेहनत से सफलता की बुलंदियों तक पहुंचाया और इसे सिल्क के कपड़ों के व्यवसाय में परिवर्तित किया। अपनी अथक मेहनत, लगन तथा परिश्रम से श्रीमती पोद्दार ने सिल्क के व्यवसाय में अपना एक विशिष्ट मुकाम बना लिया है। इनकी फर्म में बने सिल्क के डिजाइनर कपड़ों की पूरे भारत ही नहीं अपितु विदेशों में भी भारी मांग है। सिल्क के व्यवसाय के अलावा मुंबई, लखनऊ, कानपुर

श्रीमती पोद्दार की व्यवसाय कुशलता तथा बेमिसाल प्रबंधन की लोग दाद दिये बिना नहीं रहते। यह उनकी कार्यकुशलता तथा उत्कृष्ट प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज पोद्दार घराने का व्यवसाय आकाश की बुलंदियों को छू रहा है। अपने मधुर व्यवहार तथा बिजनेस में ईमानदारी और पारदर्शिता के बल पर वह अपने क्लायंट्स का विश्वास जीत चुकी हैं।

और दिल्ली में पोद्दार परिवार का प्रॉपर्टी का भी व्यवसाय है। इन दोनों व्यवसायों को श्रीमती रानी पोद्दार, उनके पति कैलाश पोद्दार, बेटी समता गोयल तथा दामाद प्रशांत गोयल मिलकर संभाल रहे हैं। श्रीमती पोद्दार मिनरल वाटर तथा सोडा वाटर बनानेवाली कंपनी 'बाबा एक्वा वेंचर्स' में साझेदार हैं।

श्रीमती पोद्दार की व्यवसाय कुशलता तथा बेमिसाल प्रबंधन की लोग दाद दिये बिना नहीं रहते। यह उनकी कार्यकुशलता तथा उत्कृष्ट प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज पोद्दार घराने का व्यवसाय आकाश की बुलंदियों को छू रहा है। अपने मधुर व्यवहार तथा बिजनेस में ईमानदारी और पारदर्शिता के बल पर न केवल वह अपने क्लायंट्स का विश्वास जीत चुकी हैं, बल्कि अपनत्व के साथ सुख-दुख में काम आकर अपने स्टाफ के लोगों को भी एक परिवार की तरह एक ऐसे विश्वास के बंधन में बांध चुकी हैं कि सहयोगी उनके साथ एक परिवार के सदस्य की भांति जी लगाकर काम कर रहे हैं और व्यवसाय को नयी बुलंदियों तक पहुंचाने में सच्चे सहायक बन रहे हैं। श्रीमती पोद्दार के स्टाफ के सभी लोग उनके मधुर व्यवहार से अत्यंत प्रभावित हैं और उन्हें तथा उनके पति श्री कैलाश पोद्दार को काफी मान-सम्मान देते हैं। श्री पोद्दार को सभी सहयोगी बाबूजी के नाम से पुकारते हैं।

अपने व्यवसाय से अर्जित आय का एक बड़ा हिस्सा श्रीमती पोद्दार गरीबों तथा जरूरतमंदों की मदद करने तथा धर्मादा कार्यों पर खर्च करती हैं। वह मानती हैं कि जब हम कमायेंगे तो ही किसी की मदद कर सकेंगे। उनका मानना है कि देनेवाला तो ईश्वर है, हम तो महज एक माध्यम हैं लोगों की मदद और काम आने के।

व्यवसाय में नित नयी बुलंदियां छू रहीं श्रीमती पोद्दार के व्यवसाय में योगदान तथा उनके उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के मद्देनजर उत्कृष्ट महिला उद्यमी (वूमेन ऑफ सब्स्टेंस) के बतौर उन्हें 'वर्ल्ड ऑफ प्रियंका एवार्ड-2006' तथा एनबीटी का 'उड़ान एवार्ड-2010' प्राप्त हो चुका है। जिस तरह वह व्यवसाय के क्षेत्र में दिन-प्रति-दिन सफलता के नये-नये आयाम छू रही हैं उसे देखते हुए निःसंदेह यह कहा जा सकता है कि निकट भविष्य में ऐसे और तमाम सम्मान तथा एवार्ड उन्हें अवश्य हासिल होंगे।

श्रीमती रानी पोद्दार को वर्ष 2006 में उत्कृष्ट महिला उद्यमी के लिए 'दि वर्ल्ड ऑफ प्रियंका गांधी अवार्ड' से नवाजा गया

व्यवसाय में शानदार सफलता के लिए 'वूमेन ऑफ सब्स्टेंस' का 'उड़ान एवार्ड - 2010' श्रीमती रानी पोद्दार को नवभारत टाइम्स की ओर से दिया गया

पोद्दार परिवार के व्यावसायिक मित्र श्री नवल टाटा, जिनके साथ पोद्दार घराने के सौ वर्षों से भी अधिक समय से व्यावसायिक संबंध हैं

महाराष्ट्र के राज्यपाल (तत्कालीन) पी.एस. ज़मीर के साथ व्यवसाय के संबंध में चर्चा करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

मुंबई की शेरिफ इंदु शहानी से व्यवसाय के संबंध में सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

विशिष्ट लोगों के साथ

अपने निवास पर मशहूर उद्योगपति नवल टाटा के साथ
पुत्र समीर तथा श्रीमती रानी पोद्दार

सादगी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति

विगत तीन दशक से समाज-सेवा, धर्मादा कार्य, सांस्कृतिक कार्य, फैशन शो, धार्मिक कार्य, परिचर्चाओं के आयोजनों में सक्रियता से जुटीं श्रीमती रानी पोद्दार के संपर्क में इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट तथा अति विशिष्ट लोग आये, जिनमें फ़िल्म, राजनीति, राज्यपाल जैसे गरिमामय पद को सुशोभित करनेवाली शख्सियतें, पुलिस विभाग, सरकारी विभागों तथा निगमों से जुड़े अधिकारी तथा पदाधिकारी, खिलाड़ी, समाज-सेवी, चिकित्सा-क्षेत्र इत्यादि से जुड़े लोगों का समावेश है। अतिथि बनकर आये इन विशिष्ट लोगों मे से अनेक श्रीमती पोद्दार की सादगी, सेवा-भावना, कार्य के प्रति समर्पण, विनम्रता तथा मानवीय गुणों से इतने अधिक प्रभावित हुए कि उनसे उनका संबंध घर जैसा बन गया और ये लोग किसी भी अवसर पर श्रीमती पोद्दार के एक बुलावे पर बिना

विशिष्ट तथा अति विशिष्ट लोगों के साथ मिलना-जुलना तथा उठना-बैठना होने के बावजूद श्रीमती पोद्दार चाहे आम हो चाहे खास हरएक के साथ काफी विनम्रता, शालीनता और अपनत्व के साथ बड़े आदर और प्रेम से मिलती हैं। उनका यह अपनत्व और प्रेम लोगों को अपना बना लेता है और लोग उनके होकर रह जाते हैं।

किसी दिखावे के उस आयोजन में अपनी सहभागिता तथा उपस्थिति अवश्य दर्ज कराते हैं।

इन विशिष्ट तथा अति विशिष्ट लोगों में से कुछ लोगों के साथ श्रीमती पोद्दार और उनके परिवार के रिश्ते पारिवारिक संबंधों का रूप ले चुके हैं। बिग बी अमिताभ बच्चन, यशराज बैनर के संस्थापक यश चोपड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती पामेला चोपड़ा, प्रख्यात गायिका तथा अभिनेत्री इला अरुण, ठाकरे खानदान की बहू श्रीमती रश्मि ठाकरे, पूर्व फ़िल्म अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित, भाजपा सांसद श्रीमती जयवंतीबेन मेहता, मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती मालती सिंह, टीवी एंकर पारिजाद कोला, टीवी अभिनेत्री शिल्पा मेहता इत्यादि के साथ श्रीमती पोद्दार के घनिष्ठ संबंध हैं। विशिष्ट तथा अति विशिष्ट लोगों के साथ मिलना-जुलना तथा उठना-बैठना होने के बावजूद श्रीमती पोद्दार चाहे आम हो चाहे खास हरएक के साथ काफी विनम्रता, शालीनता और अपनत्व के साथ बड़े आदर और प्रेम से मिलती हैं। उनका यह अपनत्व और प्रेम लोगों को अपना बना लेता है और लोग उनके होकर रह जाते हैं। जिस तरह श्रीमती पोद्दार के कार्यों का दायरा काफी डायवर्सीफाइड है ठीक उसी तरह अति विशिष्ट तथा विशिष्ट शख्सियतों के साथ उनके प्रगाढ़ संबंधों का दायरा भी काफी विस्तृत है।

कांग्रेसी नेता श्री उमाशंकर दीक्षित, पति श्री कैलाश पोद्दार के साथ श्रीमती रानी पोद्दार अपने निवास पर

महाराष्ट्र के मंत्री रामराव आदिक का स्मृति चिह्न प्रदान कर स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

महापौर बंगले में आयोजित एक कार्यक्रम में श्रीमती रानी पोद्दार अपने विचार व्यक्त करते हुए। (दायें) फ़िल्म अभिनेता दिलीप कुमार तथा (बायें) महापौर दत्ताजी नलवड़े नज़र आ रहे हैं

शेरिफ मोहन भाई पटेल के साथ श्रीमती रानी पोद्दार पंचम के कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए

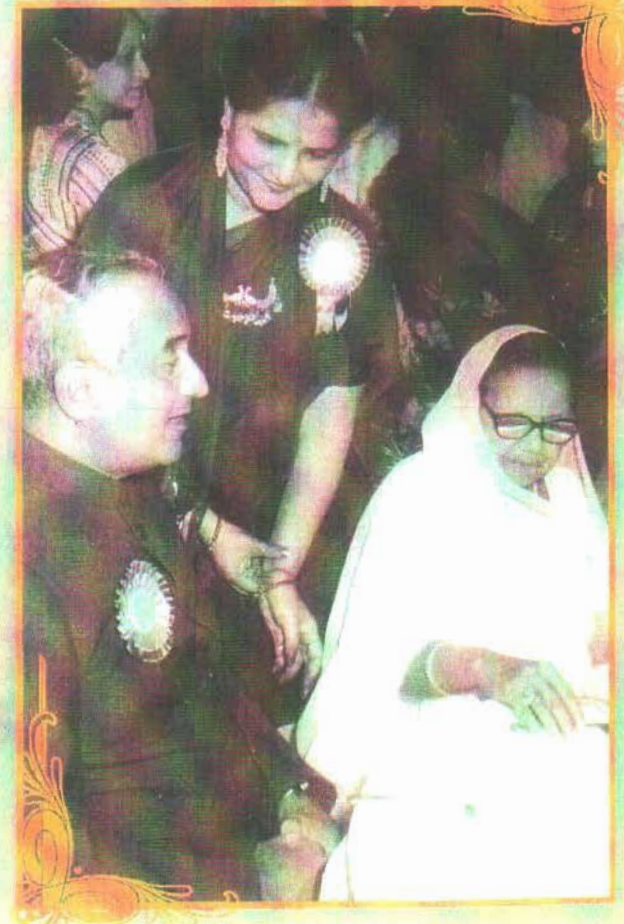

महाराष्ट्र के राज्यपाल आई. एच. लतीफ के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

शिवसेना प्रमुख
श्री बाल ठाकरे से
सद्भावना भेंट करते
हुए उद्योगपति तथा
समाज-सेवी श्रीमती
रानी पोद्दार के पति
श्री कैलाश पोद्दार

कांग्रेसी नेता रामराव
आदिक तथा फ़िल्म
अभिनेत्री मौसमी चटर्जी
का स्वागत करते हुए
श्रीमती रानी पोद्दार

शिवसेना नेता (स्व.)
प्रमोद नवलकर का फूलों
का गुलदस्ता देकर
अभिवादन करते हुए
श्रीमती रानी पोद्दार

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष श्री कृपाशंकर सिंह तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मालती सिंह को फूलों का गुलदस्ता प्रदानकर जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

फ़िल्म अभिनेता शशि कपूर के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

बॉलीवुड के सुपरस्टार फ़िल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन का फूलों का गुलदस्ता प्रदान कर सम्मान करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

फिल्म अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित (दायें) तथा विजयता पंडित (बीच में) के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

संगीता पित्ती (बायें) तथा फिल्म अभिनेत्री निरुपा राय के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

फ़िल्म अभिनेता राज बब्बर के साथ श्रीमती रानी पोद्दार तथा बेटा समीर पोद्दार

प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता, निर्माता तथा निर्देशक और फिल्म सेंसर बोर्ड के चेयरमैन विजय आनंद का सम्मान करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

फिल्म अभिनेता अमरीश पुरी का शील्ड देकर स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

फ़िल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ और अपने नाती सुक्रीत गोयल के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

अभिनेत्री रूबी भाटिया के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

फ़िल्म अभिनेत्री कामिनी कौशल के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

टीवी एंकर तबस्सुम के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

फिल्म अभिनेता रोहन कपूर तथा पार्श्वगायक महेंद्र कपूर के साथ श्रीमती रानी पोद्दार चर्चा करते हुए

भारत के मशहूर क्रिकेट खिलाड़ी लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी कपिल देव, मोहिंदर अमरनाथ तथा अन्य के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

भारत के मशहूर हरफनमौला क्रिकेट खिलाड़ी संदीप पाटिल का सम्मान करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

इकेबाना की विशेषज्ञ हीना रहिमतुल्लाह का स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सितारा देवी के साथ श्रीमती रानी पोद्दार नृत्य की मुद्रा में

मशहूर ग़ज़ल गायिका पीनाज़ मसानी के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

गायिका रागेश्वरी का
फूलों का गुलदस्ता देकर
सम्मान करते हुए
श्रीमती रानी पोद्दार

श्रीमती पामेला
चोपड़ा के साथ
श्रीमती रानी पोद्दार

एक विदेशी महिला
अतिथि के साथ
श्रीमती रानी पोद्दार
सौहार्दपूर्ण माहौल में
वार्तालाप करते हुए

श्रीमती रश्मि ठाकरे के साथ श्रीमती रानी पोद्दार, दो सखियां आपस में गले मिलते हुए

श्रीमती शम्मन गफूर (पुलिस अधिकारी श्री हसन गफूर की पत्नी) का स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

टीवी चैनल के संवाददाताओं को इंटरव्यू देते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

पर्यटन

अमरीका प्रवास के दौरान श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार परिजनों के सा
फौव्वारे के पास बैठकर पर्यटन का लुत्फ उठाते हुए

प्रकृति से अनूठा प्रेम

श्रीमती रानी पोद्दार को बचपन से ही मनोरम स्थलों पर घूमने-फिरने का काफी शौक रहा है। बचपन में अपने माता-पिता के साथ कई मनोरम स्थलों का उन्होंने भ्रमण किया। स्कूल और कॉलेज की ओर से आयोजित पिकनिक में भी श्रीमती पोद्दार हमेशा शामिल रहीं। श्रीमती पोद्दार का पर्यटन का यह शौक विवाह के बाद भी कायम रहा। धनाढ्य घर में जन्मीं श्रीमती पोद्दार को ससुराल भी काफी संपन्न मिली, जिससे भ्रमण करने का उनका शौक और ज्यादा परवान चढ़ा। विवाह के पश्चात पहले श्रीमती पोद्दार अपने पति श्री कैलाश पोद्दार और तत्पश्चात अपने बच्चों समीर तथा समता के साथ

> “जीवन की आपाधापी और व्यवसाय की व्यस्तता के बीच भ्रमण के समय ही हम अपने परिवार के साथ फुर्सत के कुछ क्षण बिता पाते हैं और बच्चों के चेहरे पर उभरनेवाली मुस्कान और आनंद की अनुभूति कर पाते हैं। यही वह समय होता है जब हम दुनियादारी से पूरी तरह निश्चिंत होकर परिवार के सदस्यों को पूरा समय दे पाते हैं।”

श्रीमती पोद्दार भारत के मशहूर उद्योगपति घराने टाटा के पारिवारिक सदस्यों के साथ भी विदेश भ्रमण पर जा चुकी हैं, जिनके साथ उनके परिवार के 100 से भी अधिक वर्षों से व्यावसायिक-पारिवारिक संबंध हैं।

भारत तथा विदेश के अनेक मनोरम पर्यटन स्थलों की सैर को गयीं।

श्रीमती पोद्दार भारत में मसूरी, कुल्लू-मनाली, कश्मीर, शिमला, मध्य प्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक शहरों सहित भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर चुकी हैं। विदेशों में वह अमरीका, मॉरीशस, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, फॉर ईस्ट के देश, श्रीलंका सहित अन्य कई देशों की यात्रा सपरिवार तथा व्यवसाय के सिलसिले में कर चुकी हैं। भ्रमण के दौरान वह अपने बच्चों को हमेशा अपने साथ ले गयीं। श्रीमती पोद्दार का कहना है कि जीवन की आपाधापी और व्यवसाय की व्यस्तता के बीच भ्रमण के समय ही हम अपने परिवार के साथ फुर्सत के कुछ क्षण बिता पाते हैं और बच्चों के चेहरे पर उभरनेवाली मुस्कान और आनंद की अनुभूति कर पाते हैं। यही वह समय होता है जब हम दुनियादारी से पूरी तरह निश्चिंत होकर परिवार के सदस्यों को पूरा समय दे पाते हैं।

श्रीमती पोद्दार भारत के मशहूर उद्योगपति घराने टाटा के पारिवारिक सदस्यों के साथ भी विदेश भ्रमण पर जा चुकी हैं, जिनके साथ उनके परिवार के 100 से भी अधिक वर्षों से व्यावसायिक-पारिवारिक संबंध हैं।

फोटोग्राफी का बेहद शौक रखनेवाली श्रीमती पोद्दार ने भ्रमण की अनेक तस्वीरों को काफी सहेजकर रखा है, जो उन पुरानी-नयी यादों को हमेशा ताजा बनाये रखती हैं। हो भी क्यों न, क्योंकि इन तस्वीरों में उनका पूरा परिवार सिमट कर एक हो जाता है।

नैनीताल भ्रमण के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार तथा श्री कैलाश पोद्दार शिकारे की सवारी का आनंद उठाते हुए

मसूरी भ्रमण के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार तथा श्री कैलाश पोद्दार एक-दूसरे की आंखों में खोये हुए

शिमला भ्रमण के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार तथा श्री कैलाश पोद्दार

कश्मीर भ्रमण के दौरान श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार

दक्षिण भारत के केरल में कोकोनट लगून में स्थित एक नारियल के बगीचे में श्रीमती रानी पोद्दार नारियल से लदे वृक्ष की छाया में

दक्षिण भारत भ्रमण के दौरान झरने के पास श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार

अंडमान-निकोबार भ्रमण के दौरान एक सुरम्य बगीचे में श्रीमती रानी पोद्दार

कुल्लू-मनाली पर्यटन के दौरान बर्फ का आनंद लेते हुए श्री कैलाश पोद्दार और श्रीमती रानी पोद्दार

फॉर ईस्ट भ्रमण के दौरान बिटिया समता गोयल

मॉरीशस में प्यारी बिटिया समता गोयल के जन्मदिन के अवसर पर उपहार देते हुए श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार

यूरोप भ्रमण के दौरान पुत्री समता गोयल फोन पर बातें करते हुए

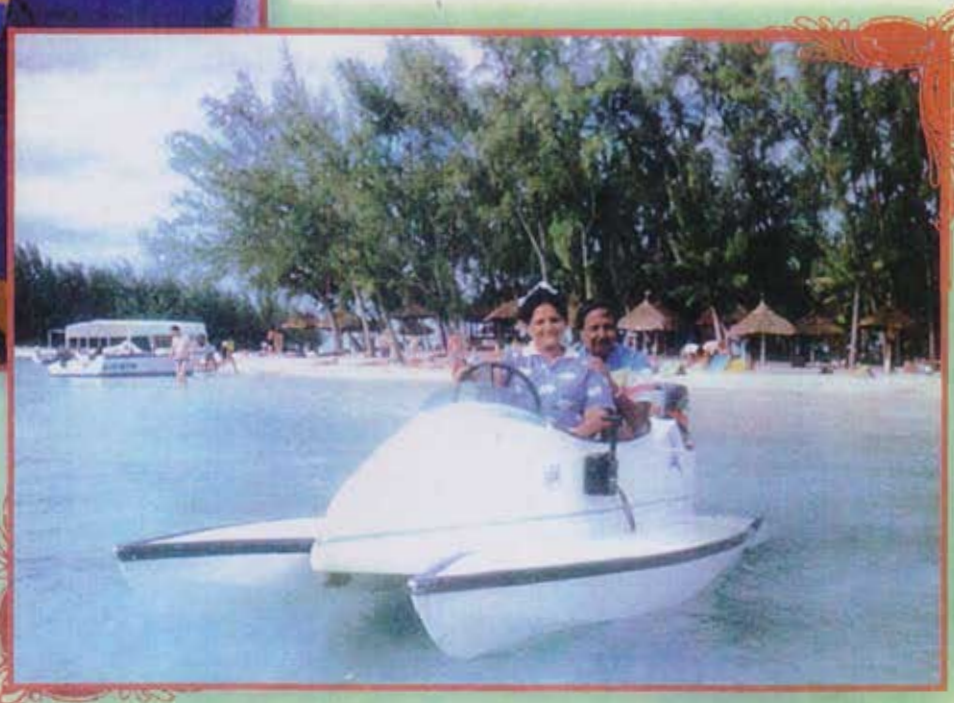

मॉरीशस भ्रमण के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार मिनी बोट की सवारी का आनंद उठाते हुए

श्रीलंका भ्रमण के दौरान चाय बागान में स्थित चाय फैक्ट्री के प्रांगण में श्रीमती रानी पोद्दार

उदयपुर (राजस्थान) प्रवास के दौरान सहेलियों की बाड़ी के प्रांगण में श्रीमती रानी पोद्दार

दुबई भ्रमण के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार

मालदीव भ्रमण के दौरान समुद्र तट पर श्रीमती रानी पोद्दार

श्री कैलाश पोद्दार गोवा भ्रमण के दौरान अपने कुछ विशिष्ट मित्रों के साथ

श्री कैलाश पोद्दार के गोवा भ्रमण के दौरान उनके मिलने आए कुछ खास मेहमान

00000000

पर्यावरण

हरियाली के माहौल में बारिश का जश्न समारोह (2010) के अवसर पर पंचम की सदस्यों के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

पर्यावरण की रक्षा तथा संवर्धन में सक्रिय

हर भारतीय स्त्री लक-दक करते हीरे, पन्ने जड़े स्वर्णाभूषणों से सजना-संवरना पसंद करती है, पर कल्पना कीजिये कि ये आभूषण सोने, हीरे तथा पन्ने के न होकर आम पत्ता, कड़ी पत्ता, पारिजात, नीम, तुलसी के पत्तों, अजवाइन, गाजर, फ्रेंचबीन, मटर और भिंडी से बने हों और महिलाएं उन्हें धारण कर खुशी से इतरा रही हों, तो निश्चित ही यह अभूतपूर्व नजारा होगा और निश्चित ही इन महिलाओं के प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अनूठे प्रेम का परिचायक भी। ऐसा हरियाली भरा प्राकृतिक श्रृंगार करके ये महिलाएं हरित क्रांति में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहती थीं।

यह नजारा था पर्यावरण के प्रति लोगों विशेषकर महिलाओं में जागरूकता पैदा करने के लिए 'नवभारत टाइम्स' और 'पंचम' के संयुक्त तत्वावधान में 14 जुलाई, 2010 को वर्ली के एनएससीआई क्लब में आयोजित हरियाली के माहौल में 'बारिश का जश्न' कार्यक्रम का, जिसके जरिये महिलाओं को पर्यावरण से जोड़ने की सार्थक पहल की गयी।

इस जश्न में महिलाओं के जोरदार प्रतिसाद तथा उत्साह से अभिभूत 'पंचम' की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार ने कहा, 'घर में तुलसी, अजवाइन, कड़ी

श्रीमती पोद्दार ने कहा आज यदि 100 महिलाओं ने पेड़ को राखी बांध कर पर्यावरण को बचाने की कसम ली है, तो आप समझिये कि प्रत्येक महिला ने अपने पूरे परिवार को 'हरित क्रांति' से जोड़ा है। इस कार्यक्रम में अंजना क्षत्रिय के साथ बतौर जज पधारीं सुप्रसिद्ध गायिका तथा 'मधु मूर्छना' की संस्थापक डॉ. सोमा घोष की छेड़ी कजरी की तान में ऐसा लगा मानो पूरा माहौल मानसून की फुहारों में भींग उठा हो। उनकी ग़ज़ल 'आज जाने की जिद न करो' सुनकर उपस्थित महिलाएं मंत्रमुग्ध हो गयीं।

पत्ता तथा पारिजात जैसे अनेक पौधे हम गमलों में लगाकर अपने घर या सोसायटी में रख सकते हैं। इसी तरह आम, बरगद, नीम तथा अन्य पेड़ भी हम आपस में हिल-मिलकर बड़ी आसानी से अपने आसपास लगाकर पर्यावरण के संवर्धन में सहयोगी बन सकते हैं, लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि 'ग्लोबल वार्मिंग' और पर्यावरण को बचाने की तमाम गंभीर चेतावनियों को अनसुना करते हुए लोग इस भौतिकवादी युग में इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय निकालना वक्त की बर्बादी समझते हैं। इसलिए हमने अपने तरह की अनूठी यह प्रतियोगिता आयोजित की।

श्रीमती सोमा घोष ने कहा कि आज यदि कजरी जैसी विधा बची है, तो वह रानी जी जैसी कद्रदानों की वजह से ही। वह इस आयोजन से काफी प्रसन्न हुईं। उन्होंने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं, कजरी को जिन्दा रखने और लोगों तक पहुंचाने का काम जारी रखूंगी और उसमें रानी पोद्दारजी का सहयोग चाहूंगी।

श्रीमती पोद्दार ने कहा आज यदि 100 महिलाओं ने पेड़ को राखी बांध कर पर्यावरण को बचाने की कसम ली है, तो आप समझिये कि प्रत्येक महिला ने अपने पूरे परिवार को 'हरित क्रांति' से जोड़ा है। इस कार्यक्रम में अंजना क्षत्रिय के साथ बतौर जज पधारीं सुप्रसिद्ध गायिका तथा 'मधु मूर्छना' की संस्थापक डॉ. सोमा घोष की छेड़ी कजरी की तान में ऐसा लगा मानो पूरा माहौल मानसून की फुहारों में भींग उठा हो। उनकी ग़ज़ल 'आज जाने की जिद न करो' सुनकर उपस्थित महिलाएं मंत्रमुग्ध हो गयीं। डॉ. घोष ने कहा, 'पेड़ नहीं होते तो बादल नहीं होते और बादल नहीं बरसते तो कजरी होती ही नहीं। उन्होंने कहा ये तुलसी के पत्तों का ही कमाल है कि मैं गाने में आज भी उसी ईश्वरीय आनंद की अनुभूति कर रही हूं।'

पर्यावरण प्रतियोगिता में भाग लेनेवाली महिलाओं में नीली अग्रवाल, मीनाक्षी लड्ढा, संगीता मोदी, सरला दमानी, अलका अग्रवाल तथा गीता मुखी अपने तुलसी, आम, पारिजात और अजवायन के पत्तों व विभिन्न सब्जियों से बने गहनों का औषधीय तथा वैज्ञानिक महत्व बताकर पुरस्कृत प्रतियोगी बनीं। कार्यक्रम में श्रीमती रानी पोद्दार के नेतृत्व में कुसुम केडिया, नीरा जैन, टिंवकल अडूकिया तथा सरोज कोठरी ने कपड़ों से बनी थैलियों और छोटे-छोटे पौधे आगंतुकों को देकर पंचमाइट्स की ओर से संदेश दिया, 'हमने प्रण लिया है अपने आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ रखने और बचाने का। आओ हम सब मिलकर यह प्रयास करें।'

पर्यावरण प्रेमी
श्रीमती रानी पोद्दार
पौधा रोपते हुए

मुख्य अतिथि श्रीमती अंजना क्षत्रिय ने कहा कि मैं रानी पोद्दार की लगभग 10 वर्षों से दोस्त हूं। ऐसे अनूठे कार्यक्रम सिर्फ रानी पोद्दार ही कर सकती हैं, क्योंकि इनके मन में पर्यावरण के प्रति काफी प्रेम है और लोगों को जोड़ने की क्षमता भी। श्रीमती सोमा घोष ने कहा कि आज यदि कजरी जैसी विधा बची है, तो वह रानी जी जैसी कद्रदानों की वजह से ही। वह इस आयोजन से काफी प्रसन्न हुईं। उन्होंने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं, कजरी को जिन्दा रखने और लोगों तक पहुंचाने का काम जारी रखूंगी और उसमें रानी पोद्दारजी का सहयोग चाहूंगी।

उड़ान एवार्ड (ए डायमंड इन द नेकलेस ऑफ मुंबई एवं वूमन ऑफ सब्स्टेंस का एवार्ड) प्राप्त होने पर पंचम की कमेटी मेंबर एवं डॉ. श्रीमती सोमा घोष (पार्श्वगायिका) तथा अंजना क्षत्रिय (बीएमसी कमिश्नर की पत्नी) ने श्रीमती रानी पोद्दार का सम्मान किया

मारवाड़ी महासभा की ओर से महापौर बंगले में पर्यावरण पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवालन कर उद्घाटन करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, महापौर श्रीमती श्रद्धा जाधव, महेश राठी तथा श्री ओमप्रकाश चौधरी। इस अवसर पर महापौर बंगले में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण मुहिम की शुरुआत की गयी।

पर्यावरण पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करती हुईं पर्यावरण के संवर्धन की दिशा में सक्रिय श्रीमती रानी पोद्दार

धार्मिक आस्था

श्रीमती रानी पोद्दार अपने निवास पर शिर्डी के साईनाथ के सामने हाथ जोड़कर आशीर्वाद लेते हुए

धर्मपरायण, ईश्वर के प्रति आस्थावान

श्रीमती रानी पोद्दार की धर्म में गहरी आस्था है। वह प्रत्येक धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं और अपनी ओर से तन-मन-धन से सहयोग करने का पूर्ण प्रयास करती हैं। उन्होंने अपने घर में एक सुंदर सा मंदिर बना रखा है, जिसमें अनेक देवी-देवताओं की काफी सुंदर और आकर्षक मूर्तियां तथा प्रतिमाएं स्थापित हैं। श्रीमती पोद्दार प्रतिदिन सुबह और शाम घर के मंदिर में दिया जलाती हैं और पूजा-अर्चना करती हैं। चाहे कितना भी जरूरी और अति आवश्यक काम क्यों न हो वह बिना पूजा-अर्चना किये घर से बाहर नहीं निकलती हैं।

श्रीमती रानी पोद्दार शिर्डी के साईंबाबा तथा बांकेबिहारी भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त हैं। उनका कहना है कि जितना मनोबल मुझे मेरे साईं ने दिया है उतना किसी और ने नहीं। न केवल मनोबल, बल्कि संरक्षण भी। साईं भक्ति से अभिभूत श्रीमती पोद्दार ने कहा हर कठिन से कठिन घड़ी में मेरे साईं ने कवच बनकर मेरी रक्षा की है। वह अक्सर साईं भजन के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती हैं। बांकेबिहारी श्रीकृष्ण में अटूट श्रद्धा रखनेवाली श्रीमती पोद्दार प्रतिवर्ष अपने घर में भव्य पैमाने पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन करती हैं, जिसमें आमजन से लेकर विशिष्टजन पूरी श्रद्धा-भक्ति से भाग लेते हैं। इस अवसर पर वह भजन के कार्यक्रम भी आयोजित करती हैं। इनके अलावा वह राणी सती का मंगल-गान, माता की चौकी इत्यादि धार्मिक आयोजनों को भी पूरे भक्ति-भाव से भव्य स्तर पर आयोजित करवाती हैं।

श्रीमती पोद्दार भारत के विभिन्न शहरों में स्थित अनेक धार्मिक स्थलों तथा तीर्थों का भ्रमण कर अपना शीश नवाते हुए प्रभु का आशीर्वाद ले चुकी हैं। भगवान में उनकी अटूट आस्था का ही प्रतिफल है कि आज वह हर कार्य में सफल हो रही हैं।

धर्मपरायण श्रीमती रानी पोद्दार के निवास में स्थित मंदिर में विराजमान मूर्तियां तथा तस्वीरें

वृंदावन मंदिर में ध्वज चढ़ाते हुए श्रीमती रानी पोद्दार और श्री कैलाश पोद्दार

अपने निवास में 2008 में आयोजित माता की चौकी के दौरान भजन गायक ओम व्यास का फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मान करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाते हुए

पंचम की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में संगीता पित्ती के साथ भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाते हुए

कृष्ण जन्म उत्सव के अवसर पर निशा सागर का गले मिलकर स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

श्रीमती रानी पोद्दार तथा
श्रीमती शारदा काग़ज़ी
कृष्ण जन्माष्टमी
उत्सव में भजन गाते हुए

श्रीमती रानी पोद्दार
कृष्ण जन्म उत्सव पर
संगीता पित्ती के साथ
भजन गाते हुए

पंचम की ओर से
कृष्ण जन्म के अवसर
पर आयोजित
कार्यक्रम में प्रसिद्ध
संगीतकार तथा गायक
श्री रविंद्र जैन भजन
पेश करते हुए, साथ हैं
श्रीमती रानी पोद्दार
तथा संस्था की अन्य
सदस्याएं

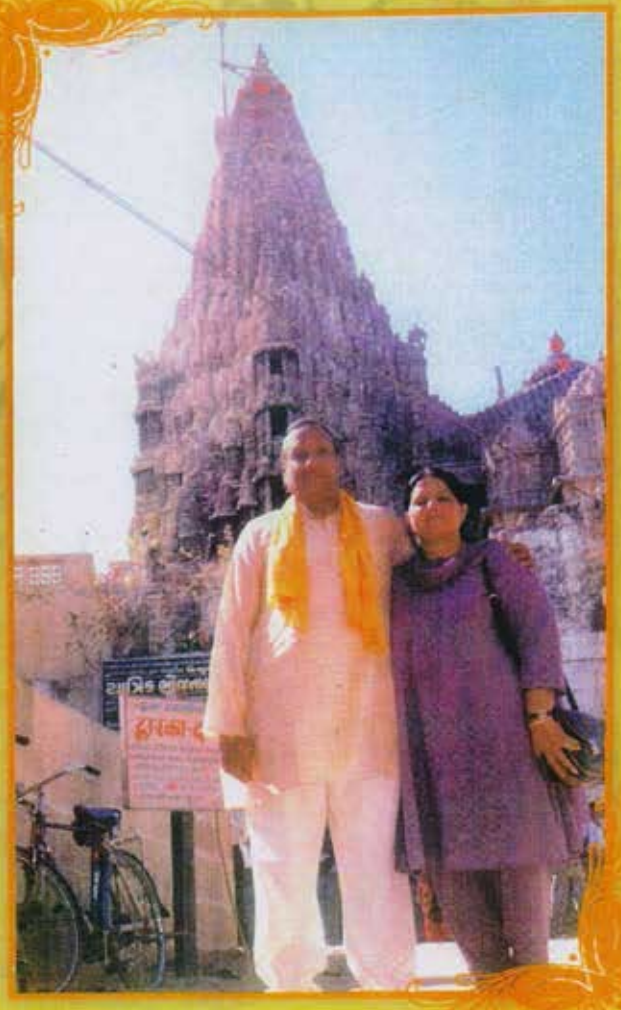

श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार द्वारिकाधीश के दर्शन के बाद मंदिर के सम्मुख खड़े हुए

कृष्ण जन्मोत्सव (1985) के अवसर पर श्रीमती जयश्री शाह (रूबी मिल्स के श्री हिरेन भाई की पत्नी) कृष्ण तथा गुड़िया समता राधा की वेशभूषा में नृत्य करते हुए

नाथद्वारा में होली के शुभ अवसर पर श्रीनाथजी मंदिर के प्रांगण में भक्तिभाव में गुलाल से सराबोर श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से आयोजित होली धर्म उत्सव (2009) के दौरान गीतकार-कवयित्री माया गोविंद (बायें) तथा अन्य अतिथिगणों के साथ संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

सावन के महीने में महिला संगीत के आयोजन के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार श्रीमती कुसुम केडिया तथा श्रीमती गीता मुखी गीत गाते हुए

पंचम की ओर से 2009 में आयोजित नवरात्र उत्सव में श्रीमती रानी पोद्दार महिला सदस्यों के साथ दांडिया नृत्य करते हुए

माता की चौकी के अवसर पर भजन प्रस्तुत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं श्रीमती नीरा जैन और श्रीमती ट्विंकल अड्डूकिया

साई भजन के कार्यक्रम में समता गोयल पिता श्री कैलाश पोद्दार के साथ आरती करते हुए

हरे रामा हरे कृष्णा (इस्कॉन) के कृष्ण भक्तों का सम्मान करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

धर्मादा कार्य

पंचम की ओर से अपंग लोगों के सहायतार्थ प्रदान की गयी मेटाडोर के लोकार्पण के अवसर पर श्रीमती रानी पोद्दार तथा उनकी सहयोगी महिला सदस्य

धर्मार्थ कार्यों में सदा अग्रणी भूमिका

सामाजिक कार्यों में पूरी लगन, निष्ठा, समर्पण तथा निःस्वार्थ भाव से जुटीं श्रीमती रानी पोद्दार किसी निष्काम कर्मयोगी की भांति अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारियों का निर्वहन पूरी शिद्दत से कर रही हैं। अपंग बच्चों के हॉस्पिटल जाकर उन्हें फल, दवाइयां, खाने का सामान वितरित करना, 1980 में मानखुर्द चिल्ड्रेंस होम में फनफेयर का आयोजन कर लगभग 800 बच्चों को नाश्ता, शरबत, भोजन, फल तथा मिठाई देने, मुंबई के आर्थोपेडिक अस्पताल में 50 बेड डोनेट करने, डॉ. प्रफुल्ल देसाई तथा फ़िल्म अभिनेता सुनील दत्त के कहने पर टाटा मेमोरियल अस्पताल के 'नरगिस दत्त क्रिटिकल केयर यूनिट' के 80 बेड बदलवा कर नये बेड लगवाने, 'इंडियन कैंसर सोसाइटी' के लिए डॉ. जस्सावाला को एंबुलेंस तथा अपंग बच्चों के लिए एक मेटाडोर वैन डोनेट करने, फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार की मांग पर 'नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड' को मेटाडोर देने, डॉ. प्रफुल्ल देसाई की पत्नी डॉ. मीना देसाई को वाडिया अस्पताल में मुफ्त दवाखाना खुलवाकर देने, डॉ. कुलीन कोठारी के सहयोग से मेडिकल आई कैंप आयोजित किया जिसमें मुफ्त आंखों का चेकअप तथा मुफ्त चश्मे 800 से अधिक लोगों को वितरित किया गया।

अंधे बच्चों की आंखों के ऑपरेशन करवाने, शारीरिक रूप से अपंग लोगों को ट्राइसिकल देने जैसे धर्मार्थ कार्य श्रीमती पोद्दार कर चुकी हैं। उनके धर्मादा कार्यों की सूची काफी लंबी है, जो दिन-प्रति-दिन और लंबी होती जा रही है। उनका कहना है कि जब तब मैं जीवित हूं, यदि यदि सड़क चलते जरूरतमंदों की मदद भी मुझे करनी पड़े, तो मैं सहर्ष करती हूं। मेरे जीवन का उद्देश्य यही है कि जब ईश्वर धन दे, तो उसका सदुपयोग अवश्य होना चाहिये। यही है श्रीमती पोद्दार की धर्मादा कार्यों के प्रति सच्चा समर्पण। नाथूराम बाग, ठाकरद्वार, मुंबई स्थित नाथूराम बाग धर्मशाला की श्रीमती पोद्दार ट्रस्टी हैं। यह धर्मशाला धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों के लिए रियायती दर पर दी जाती है। रामलीला सहित कुछ धर्मादा और धार्मिक आयोजन करने वाली संस्थाओं को धर्मशाला निःशुल्क भी दी जाती है।

हाजी अली, मुंबई स्थित ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल में शारीरिक रूप से अपंग बच्चों का कुशलक्षेम पूछते हुए पंचम की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार तथा उनकी सहयोगी

मानखुर्द चिल्ड्रेन्स होम के बच्चों के लिए आयोजित मनोरंजन मेले (फन फेयर) में पंचम की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार तथा उनकी सहयोगी

पंचम की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार अपंग बच्चों के हॉस्पिटल में बच्चों का जन्मदिन मनाकर उन्हें उपहार प्रदान करते हुए

अनाथ बच्चों का जन्मदिन मनाते हुए पंचम की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार, अनाथाश्रम के पदाधिकारी तथा पंचम के सदस्य

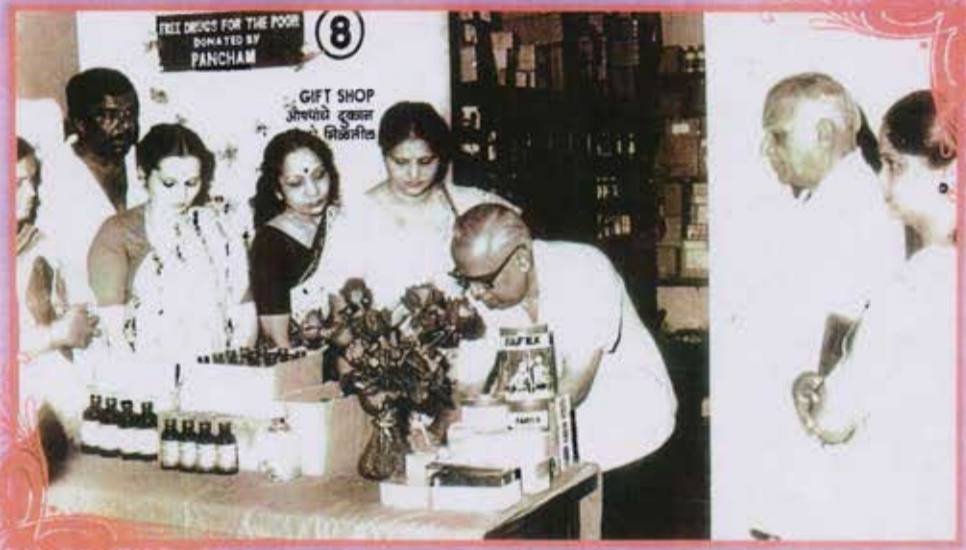

पंचम की ओर से डॉ. मीना देसाई संचालित वाडिया हॉस्पिटल में खोले गये मुफ्त मेडिकल शॉप के उद्घाटन के अवसर पर श्रीमती रानी पोद्दार

गरीब बच्चों के लिए धारावी में टॉय लाइब्रेरी खोलने के लिए राजभवन में चेक प्रदान करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं राज्यपाल लतीफ की धर्मपत्नी श्रीमती बिल्कीस लतीफ

पंचम की ओर से इंडियन कैंसर सोसायटी को मेटाडोर प्रदान की गयी। उक्त अवसर पर डॉ. जस्सावाला के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड को मेटाडोर प्रदान करने के लिए धन-संग्रह करने हेतु पापी पेट का सवाल फ़िल्म के शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से नरगिस दत्त क्रिटिकल यूनिट को बेड डोनेट करने के लिए आयोजित समारोह के दौरान संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार अपने विचार व्यक्त करते हुए। (बायें हैं) डॉ. प्रफुल्ल देसाई, राज्यपाल आई. एच. लतीफ तथा (दायें हैं) फ़िल्म अभिनेता तथा सांसद सुनील दत्त

नर्गिस दत्त क्रिटिकल केयर यूनिट को बेड डोनेट करने के लिए आयोजित समारोह में प्रफुल्ल देसाई तथा मीना देसाई से बेड बदलने की चर्चा करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

नर्गिस दत्त क्रिटिकल केयर यूनिट को 68 बेड डोनेट करने के लिए आयोजित समारोह के दौरान फ़िल्म अभिनेता-सांसद सुनील दत्त से गुफ्तगू करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

शारीरिक रूप से अपंग बच्चों को खाना परोसती हुईं श्रीमती रानी पोद्दार तथा उनकी सहयोगी

पंचम की ओर से 'सलाम नमस्ते' के प्रीमियर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फ़िल्म के नायक सैफ अली खान के साथ पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए श्रीमती रानी पोद्दार। इस शो से प्राप्त धन से लोगों की आंखों का मुफ्त परीक्षण करके उन्हें चश्मे प्रदान किये गये

पंचम की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में श्रीमती रानी पोद्दार तथा उनकी सहयोगी शारीरिक रूप से अपंग पुरुषों तथा महिलाओं को ट्राइसिकल प्रदान करते हुए

पंचम की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में नन्हें-मुन्नों को कपड़े तथा अन्य सामान का वितरण करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

आंखों की परीक्षण के लिए आयोजित फ्री आई कैंप में लोगों को चश्मे बांटते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

फेलोशिप फॉर द फिजिकली हैंडीकैप्ड को मेटाडोर दान करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार तथा राज्यपाल आई. एच. लतीफ की पत्नी और उनकी अभिन्न मित्र श्रीमती बिल्कीस लतीफ

मंदबुद्धि बच्चों के विकास के लिए उन्हें पुरस्कार देकर प्रोत्साहित करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

श्रीमती रानी पोद्दार राजस्थान में पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए। इस पुस्तकालय के लिए उन्होंने काफी बड़ी राशि की पुस्तकें दान दीं

गरमी के मौसम में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए शरबत बांटते हुए श्रीमती रानी पोद्दार साथ हैं श्रीमती नीरा जैन

नाथूराम बाग, अपनी वाड़ी के बाहर (2010 में) वड़ा-पाव वितरित करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार एवं श्रीमती शोभा अग्रवाल

झुलसती गरमी से मुंबईकरों को राहत प्रदान करने के लिए ठंडा शरबत बांटते हुए श्रीमती रानी, कल्पना बाजोरिया एवं संगीता बूबना

गोवंडी में 500 गरीब महिलाओं को एक महीने का राशन श्रीमती रानी पोद्दार की ओर से वितरित किया गया। उक्त अवसर पर महिलाओं को राशन वितरित करते हुए श्रीमती पोद्दार

सांस्कृतिक आयोजन

पंचम की ओर से आयोजित तीजों का त्यौहार नृत्य नाटिका में नृत्य करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं श्रीमती वीना अग्रवाल

सांस्कृतिक धरोहर को संजोती

पर्व और त्यौहार भारतीय जीवन और संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। पर्व और त्यौहार हमारे जीवन में खुशी और उमंग का संचार करते हैं। ये लोगों को एक-दूसरे के निकट लाने में भी काफी सहायक होते हैं। कई पर्व या त्यौहार ऐसे होते हैं, जिनके अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन बेहद भव्य पैमाने पर किया जाता है। होली, दीवाली, नवरात्रि-दशहरा तथा सावन के महीने में भारत के विभिन्न हिस्सों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

श्रीमती रानी पोद्दार भी पर्व और त्यौहार बड़े उत्साह के साथ मनाती हैं। उन्हें भारतीय संस्कृति से बेहद लगाव है और वह इसके संवर्धन तथा बढ़ावे के लिए पूर्ण रूप से समर्पित हैं। पर्व और त्यौहारों को जीवन का अभिन्न अंग माननेवाली श्रीमती पोद्दार इन अवसरों पर समाज को जोड़ने और लोगों को खुशियां बांटने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। वह पंचम के बैनर तले डांडिया रास, सावन के महीने में महिला संगीत, सावन उत्सव तथा तीजों का त्यौहार, होली के अवसर पर होली उत्सव, दीपावली के अवसर पर दीपावली स्नेह सम्मेलन, लोहड़ी तथा बैसाखी जैसे अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रति वर्ष करती हैं। इन कार्यक्रमों में पंचम के सदस्यों के अलावा समाज के विशिष्टजन और आमजन भारी संख्या में भाग लेकर इन आयोजनों की सफलता के गवाह बनते हैं। प्रति वर्ष इन सांस्कृतिक आयोजनों की लोकप्रियता नित नये आयाम छू रही है।

रसवंती की ओर से आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय कवयित्री सम्मेलन में मुख्य अतिथि के बतौर मंच पर विराजमान श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार पारंपरिक वेशभूषा में दांडिया नृत्य करते हुए

कृष्ण जन्मोत्सव (1985) के अवसर पर श्रीमती जयश्री शाह (रूबी मिल्स के श्री हिरेन भाई की पत्नी) कृष्ण तथा समता राधा की वेशभूषा में नृत्य करते हुए

सावन उत्सव के कार्यक्रम में श्रीमती रानी पोद्दार गीत गाते हुए तथा गायिका-अभिनेत्री इला अरुण आनंदमग्न हो नृत्य करते हुए

सावन उत्सव के कार्यक्रम का लुत्फ उठाते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, गायिका-अभिनेत्री इला अरुण (दायें) तथा टीवी अभिनेत्री शिल्पा मेहता (बायें)

वसंत उत्सव कार्यक्रम में पधारीं ग्रीन लॉन्स स्कूल की प्रिंसिपल किरण बजाज को एवार्ड देकर सम्मानित करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

साहित्य कला मंच की स्मारिका का विमोचन करते हुए श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं (दायें) सांसद श्रीमती जयवंतीबेन मेहता तथा समिति के पदाधिकारी

रामलीला समारोह में विशिष्ट अतिथि के बतौर मंच पर उपस्थित श्रीमती रानी पोद्दार, श्री कैलाश पोद्दार तथा नवभारत टाइम्स के संपादक श्री शचींद्र त्रिपाठी

नवरात्र-डांडिया उत्सव पर चि. शुभम पोद्दार, श्री कैलाश पोद्दार, सांसद श्रीमती जयवंतीबेन मेहता तथा श्री प्रशांत गोयल

पंचम की ओर से महापौर बंगले पर आयोजित दीपावली समारोह के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार महापौर दत्ताजी नलावडे के साथ, पीछे हैं फ़िल्म अभिनेता दिलीप कुमार

पंचम के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित एक रंगारंग कार्यक्रम मैड हैटर्स के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार (मध्य में) टीवी अभिनेत्री शिल्पा मेहता (एकदम दायें) तथा अपनी सहयोगी महिला सदस्यों के साथ

पंचम की ओर से आयोजित कजरी वाले टैलेंट शो के दौरान भोजपुरी गायिकाएं मालिनी अवस्थी तथा कल्पना कजरी गाते हुए, साथ (बायें) हैं संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

वसंत उत्सव पर
श्रीमती रानी पोद्दार
एवं प्रियंका बत्रा
नीलू केडिया को
'बसंत क्वीन' का
ताज पहनाते हुए

पंचम की ओर से आयोजित हंटिंग रैली की शुरुआत से पहले प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी अपनी कारों के साथ, (दायें) हंटिंग रैली के विजेता दंपती का स्मृति चिह्न देकर सम्मान करते हुए संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

सावन उत्सव के
कार्यक्रम में पधारीं
पारिवारिक मित्र
तथा गायिका-
अभिनेत्री इला अरुण
का गले मिलकर
अभिवादन करते हुए
श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम के प्याऊ

पंचम की ओर से बजाज भवन, नरीमन प्वाइंट, मुंबई में बनवाये गये प्याऊ के उद्घाटन के लिए पधारीं मुख्य अतिथि फ़िल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लन का स्वागत करतीं संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार, साथ नज़र आ रहे हैं श्री कैलाश पोद्दार एवं संस्था की अन्य सदस्य महिलाएं

जल ही जीवन है

नीर होता है सबको उपयोगी, हो निर्धन धनी या साहू
इसीलिए पंचम ने खोली, जगह-जगह पर निर्मल जल प्याऊ

'पंचम' की अध्यक्षा रानी पोद्दार ने मुंबई में विभिन्न जगहों पर 12 प्याऊ बनवाये, जिनका लाभ लाखों मुंबईकर उठा रहे हैं और शीतल जल से अपनी तृष्णा बुझा रहे हैं। श्रीमती पोद्दार का मानना है कि प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई कार्य नहीं है। लोगों की प्यास बुझाने की प्रेरणा उन्हें शादी के बाद एक दिन रास्ते से गुजरते वक्त गरीब बच्चों को गड्ढे से पानी निकालकर पीते देखने से मिली थी। यह मंजर देखकर उनका हृदय द्रवित हो उठा था और उनकी आत्मा ने उन्हें झकझोरा था। उसी वक्त श्रीमती पोद्दार ने प्रण लिया था कि मैं आजीवन गरीबों और ज़रूरतमंदों की सेवा करूंगी।

विगत दो-तीन दशकों में मुंबई शहर की आबादी दिन-प्रति-दिन बेतहाशा गति से बढ़ी है। इसके चलते शहर के लोग कई बुनियादी जीवनावश्यक चीजों से महरूम हो रहे हैं। इन जीवनावश्यक वस्तुओं में एक अत्यंत आवश्यक वस्तु है जीवनदायी जल। बढ़ती आबादी के कारण लोगों को विशेषकर गरीब तबके के लोगों को स्वच्छ पीने का जल मिलना दूभर हो गया है। इसके अलावा काम-धंधे के चक्कर में प्रति दिन लाखों लोग दूरदराज के उपनगरों से मुंबई के विभिन्न इलाकों में अपनी रोज़गार और व्यवसाय के सिलसिले में आते हैं।

मुंबई या उपनगरों में रहनेवाला हर बाशिंदा इतना संपन्न नहीं होता कि वह बोतलबंद ब्रांडेड पेयजल 'बिसलेरी' या अन्य कंपनी का जल पी सके। फुटपाथ पर जिंदगी गुजर-बसर करनेवाले गरीबों की हालत तो और भी बदतर है। पानी के लिए उन्हें दूर-दूर तक भटकना पड़ता है।

आपाधापी तथा व्यस्त ज़िंदगी जी रहे मुंबईकर कई बार व्यस्तता के कारण भूख-प्यास भी भूल जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि प्यास लगने के बावजूद उन्हें दूर-दूर तक पीने का स्वच्छ पानी दिखायी नहीं देता।

मुंबई या उपनगरों में रहनेवाला हर बाशिंदा इतना संपन्न नहीं होता कि वह बोतलबंद ब्रांडेड पेयजल 'बिसलेरी' या अन्य कंपनी का जल पी सके। फुटपाथ पर जिंदगी गुजर-बसर करनेवाले गरीबों की हालत तो और भी बदतर है। पानी के लिए उन्हें दूर-दूर तक भटकना पड़ता है।

पंचम की ओर से स्थापित शीतल जल केंद्रों (प्याऊ) की स्थापना में सहयोग करने के लिए श्रीमती रानी पोद्दार पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. पी.एस. पसरीचा, पुलिस आयुक्त डी.एस. सोमण, सांसद श्रीमती जयवंतीबेन मेहता, मनपा आयुक्तों सदाशिव तिनेकर, महापौर दत्ताजी नलावडे, करुण श्रीवास्तव, नलिनाक्षन और स्वाधीन क्षत्रिय, पुलिस अधिकारी हसन गफूर की विशेष आभारी हैं। इन प्याऊ के उद्घाटन समारोह में शिरकत करनेवाली फिल्मी, राजनीतिक, उद्योग जगत तथा समाज-सेवा से जुड़ी हस्तियों की भी वह शुक्रगुजार हैं।

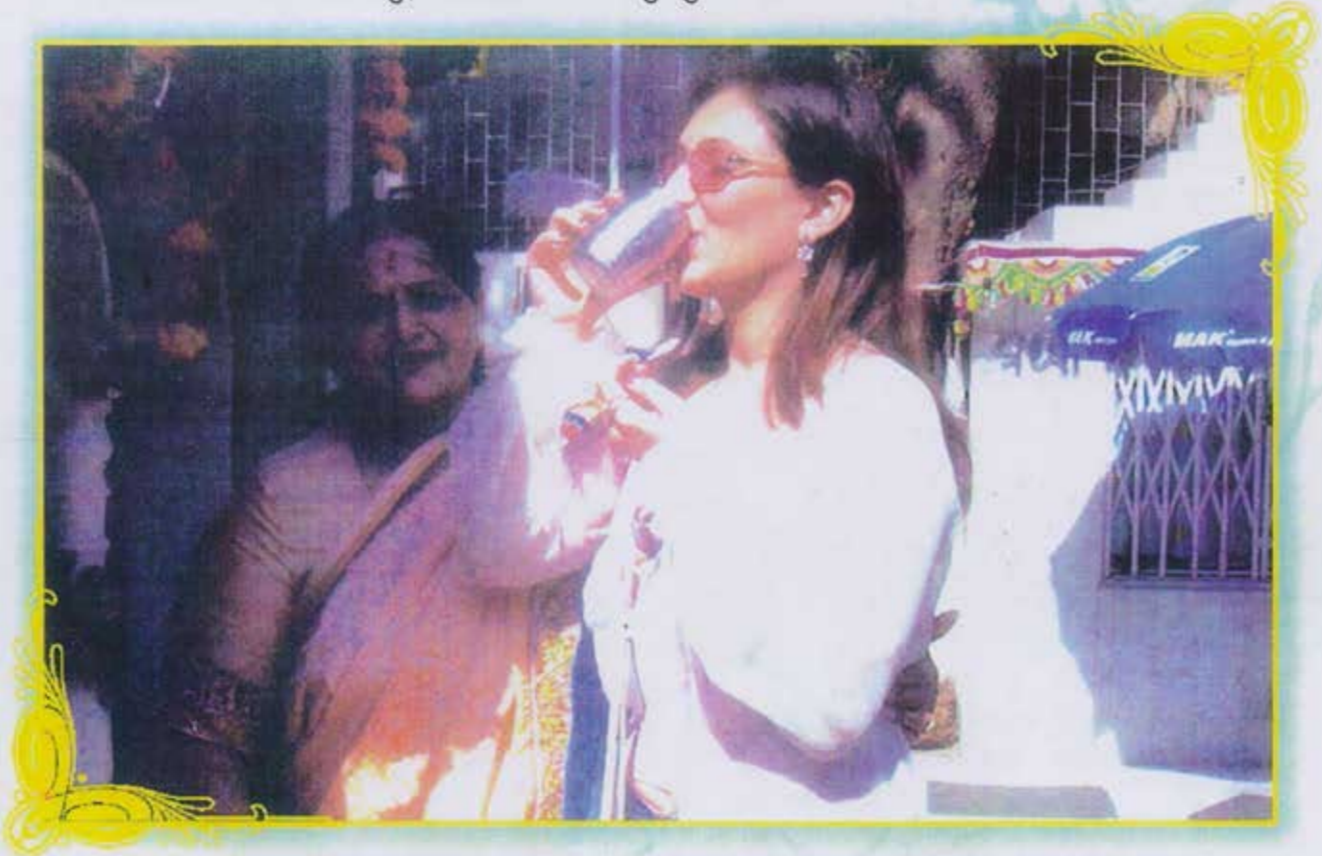

पंचम की ओर से दक्षिण मुंबई में निर्मित शीतल जल केंद्र (प्याऊ) के लोकार्पण के पश्चात शीतल जल से प्यास बुझातीं मुख्य अतिथि फ़िल्म अभिनेत्री जूही

पंचम की ओर से चौपाटी, मुंबई में निर्मित प्याऊ के लोकार्पण के अवसर पर श्रीमती रानी पोद्दार, मुख्य अतिथि महापौर रमेश प्रभु तथा अन्य अतिथिगण

पंचम की ओर से बांबे हॉस्पिटल, मुंबई में बनवाये गये शीतल जल केंद्र (प्याऊ) के उद्घाटन के बाद अवसर पर नाना चुड़ासमा, श्री कैलाश पोद्दार, श्रीमती रानी पोद्दार एवं अन्य अतिथिगण

पंचम की ओर से प्रियदर्शिनी पार्क, मुंबई में निर्मित प्याऊ के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त डॉ. पी. एस. पसरीचा

पंचम की ओर से तारापुर एक्वेरियम के पास, मरीन ड्राइव, मुंबई में बनवाये गये शीतल जल केंद्र (प्याऊ) का लोकार्पण करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री डी. एस. सोमण तथा अन्य अतिथिगण

पंचम की ओर से टाटा गार्डेन, मुंबई में बनवाये गये शीतल जल केंद्र (प्याऊ) का लोकार्पण करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार एवं मुख्य अतिथि पॉप गायिका व अभिनेत्री रागेश्वरी

पंचम के प्याऊ के लोकार्पण के अवसर पर अभिनेत्री तनाज ईरानी के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से गेटवे ऑफ इंडिया, मुंबई में निर्मित प्याऊ का लोकार्पण करते हुए तत्कालीन म्युनिसिपल कमिश्नर श्री नलिनाक्षन, पूनम ढिल्लो और श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से एनएससीआई, मुंबई में बनवाये गये प्याऊ का लोकार्पण करते के लिए जाते हुए नाना चुड़ासमा, एक्मा एलेक्जेंडर तथा श्रीमती रानी पोद्दार। (दायें) एक्मा एलेक्जेंडर ने प्याऊ का लोकार्पण किया

पंचम की ओर से महालक्ष्मी, मुंबई में निर्मित प्याऊ के लोकार्पण के लिए पधारीं फिल्म अभिनेत्री मौसमी चटर्जी

पंचम की ओर से सिद्धिविनायक, प्रभादेवी, दादर में निर्मित प्याऊ के उद्घाटन के लिए आयोजित समारोह में प्रमुख अतिथि युक्ता मुखी (बीच में) तथा संस्थाध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से वालकेश्वर, मुंबई में निर्मित प्याऊ का लोकार्पण करते हुए भाजपा सांसद श्रीमती जयवंतीबेन मेहता, साथ हैं संस्थाध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से बांबे जिमखाना, फैशन स्ट्रीट, मुंबई में निर्मित प्याऊ का उद्घाटन के अवसर पर भाजपा नेता श्री गोपीनाथ मुंडे का स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

नीर बड़ा उपयोगी

पंचम का अर्थ होता सुंदर,
दक्ष, चतुर और कांतिवान।
ऐसा ही पंचम क्लब हमारा,
जैसे रानी पोद्दार महान।।
राजकुमारी होकर भी,
सबके हित का इन्हें ध्यान।
प्रगति करें मारवाड़ी नारी,
पंचम क्लब का किया निर्माण।।
नीर बड़ा उपयोगी सबको,
हो निर्धन, धनी या साहू।
सारे शहर में देखी होंगी,
जगह-जगह पर पंचम प्याऊ।
पोद्दार रानी है नाम इनका,
सफलता में सबसे आगे।
काम भी इनका सुंदर,
सबका मन रखना जानें।

- निशा बूबना

प्रिय रानी भाभी

किसी कवि की कल्पना जैसा
सुंदर सलोना रूप आपका
पंचम के मधुर सुरों जैसा
~~मीठा मधुर सुरों जैसा~~
मीठा मधुर स्वर है आपका
सबको प्यार के बंधन में बांधें आप
किन शब्दों में मैं बांधू आपको
रानी भाभी हमें बता दो
सृष्टि के रचयिता ने
गढ़े हैं बड़े प्यार से
मज़बूत इरादे आपके
अकेले चली थीं मंज़िल की ओर
आज कारवां सारा साथ है
यही बताता है ये कि आप
प्यार व पवित्रता का रूप हैं
नारियों को एक नयी पहचान आप ने दी।
मनोरंजन में भी छिपा रहता है मानवता का भाव
शास्त्र कथन को फलित किया
पानी पिलाने से बड़ा ना कोई धर्म
मुंबई जैसी मायानगरी में
जहां शरबत से भी महंगा पानी है
पंचम द्वारा आपने दस-दस प्याऊ हैं लगवाये
कभी एफ.पी.एच. कभी बालवाड़ी
कभी आरथोपेडिक हॉस्पिटल
कभी अंधों की सहायता को आप धाये
जल बिन सूना है मानव जीवन,
जल है तो खुशियाली है
ऐसा है हमारा पंचम न्यारा
जैसी हमारी रानी भाभी हैं
मां जैसी ममता हैं लुटाती
हम सबको एक डोर में बांधतीं
हम सब सखियां मिलकर करें यही दुआ
पंचम और रानी भाभी के यश से महक उठे उपवन सारा
हमें रानी भाभी का सदा प्यार मिलता रहे
यही है भाभी पर अधिकार हमारा।

- मन्जुला लोढ़ा

पंचम की संगीत रजनी

प्रसिद्ध भजन गायक हरिओम शरण तथा नंदिनी शरण का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं पंचम की सहयोगी महिला सदस्याएं

गीत-संगीत के प्रति अप्रतिम लगाव

गीत-संगीत के प्रति श्रीमती रानी पोद्दार के दिल में अप्रतिम लगाव है। गीत-संगीत को वह जिंदगी की रवानी मानती हैं। उनका मानना है कि गीत-संगीत न केवल हमारा मनोरंजन करते हैं, बल्कि हमारे भीतर व्याप्त तनाव तथा उदासी को दूर करके एक नयी ऊर्जा तथा उत्साह का संचार करते हैं। उनका मानना है कि जीवन भी संगीत की तरह ही है। पुराने मेलोडियस गानों की तो रानीजी बेहद फैन हैं। इसके अलावा देशभक्ति के गीतों की भी वह बेहद कद्रदान हैं और उनका मानना है कि ये गीत हमारे भीतर एक रोमांच और देश के लिए त्याग करने की भावना और जज़्बा जाग्रत करते हैं। रानीजी को ग़ज़ल, भक्ति गीत, शास्त्रीय संगीत, फिल्मी गीत, गैर फ़िल्मी गीत और कजरी तथा लोकगीत बेहद पसंद हैं और घर पर भी वह अक्सर इन्हें सुना करती हैं।

गीत-संगीत के प्रति यह उनके अप्रतिम लगाव का ही नतीजा है कि वह अब तक गीत-संगीत के अनेक कार्यक्रमों या म्यूजिकल नाइट्स का आयोजन कर चुकी हैं, जिनमें भारत के विभिन्न विधाओं में माहिर प्रख्यात गायक-गायिकाएं अपनी आवाज़ से श्रोताओं का मनोरंजन कर चुके हैं। न केवल भारत के फनकार, बल्कि पाकिस्तान के फनकार भी अपनी आवाज़ के जादू से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर चुके हैं।

श्रीमती पोद्दार 'पंचम' के तत्वावधान में कल्याणजी-आनंदजी नाइट, महेंद्र कपूर नाइट, पंकज उधास नाइट, राजेंद्र मेहता ग़ज़ल नाइट, अनूप जलोटा नाइट, प्रसिद्ध गीतकार-गायक-संगीतकार रविंद्र जैन के भजनों का कार्यक्रम, ओम व्यास के भजनों का कार्यक्रम तथा प्रसिद्ध पार्श्वगायक भूपेंद्र तथा मिताली मुखर्जी के ग़ज़ल कार्यक्रम का, पार्श्वगायिका सपना मुखर्जी तथा पार्श्वगायक मनहर उधास के संगीत कार्यक्रमों का आयोजन सफलतापूर्वक कर चुकी हैं। इनके अलावा पाकिस्तान की मशहूर ग़ज़ल गायिका मुन्नी बेगम के ग़ज़लों का कार्यक्रम नटराज होटल में आयोजित कर चुकी हैं। पाकिस्तान के मशहूर ग़ज़ल गायक मेहंदी हसन का कार्यक्रम ओबेराय होटल के रूप टॉप पर आयोजित किया था। सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका अनुराधा पौड़वाल के संगीत कार्यक्रम का आयोजन करने का श्रेय भी इन्हें है।

कल्याणजी-आनंदजी नाइट के दौरान प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता दिलीप कुमार के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से आयोजित महेंद्र कपूर नाइट के दौरान पार्श्वगायक महेंद्र कपूर अपने साथियों के साथ कार्यक्रम पेश करते हुए, साथ हैं श्रीमती रानी पोद्दार तथा अन्य लोग

पंचम की ओर से आयोजित महेंद्र कपूर नाइट के दौरान गीत-संगीत का लुत्फ उठाते हुए श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से नटराज होटल में 1985 में आयोजित कार्यक्रम में पाकिस्तान की मशहूर गायिका मुन्नी बेगम ग़ज़ल प्रस्तुत करते हुए

पंचम की ओर से आयोजित राजेंद्र मेहता ग़ज़ल नाइट (1985) के दौरान श्रीमती रानी पोद्दार गायक राजेंद्र मेहता का फूलों का गुलदस्ता प्रदानकर सम्मान करते हुए, साथ हैं कुसुम केडिया

पंचम की ओर से आयोजित पंकज उधास नाइट में कार्यक्रम पेश करते हुए पंकज उधास

पंचम की ओर से 2007 में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम में पार्श्वगायक भूपेंद्र सिंह और मिताली मुखर्जी ग़ज़ल पेश करते हुए

पंचम की ओर से आयोजित अनूप जलोटा नाइट (1986) के दौरान माइक पर श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं पुलिस अधिकारी डी. एस. सोमण और (एकदम दायें) अनूप जलोटा

प्रसिद्ध पार्श्वगायिका श्रीमती अनुराधा पौडवाल का पुष्पगुच्छ प्रदान कर गले लग स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

फैशन शो

पंचम की ओर से आयोजित डिजाइनर साड़ी के फैशन शो में रैंप पर जलवा बिखेरती मॉडलें जो गृहिणियां हैं

गृहिणियों में छिपी प्रतिभा को उभारतीं

महिलाओं के उत्थान तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्यरत श्रीमती रानी पोद्दार महिलाओं के भीतर छुपी प्रतिभा को ताड़ने में एक पारखी की सी नज़र रखती हैं। उनकी इसी पारखी नज़र का कमाल है पंचम की ओर से आयोजित फैशन शो जिसमें भाग लेनेवाली सभी महिलाएं सुघड़ गृहिणियां थीं और जिनकी ज़िंदगी सिर्फ किचन और घर की चहारदीवारी तक ही सिमट कर रह गयी थी। उनमें से ऐसी अनेक महिलाएं थीं, जो तमाम योग्यता तथा प्रतिभा होते हुए भी हालात से समझौता करके घर की लक्ष्मण रेखा में कैद होकर रह गयी थीं और अपनी योग्यता तथा प्रतिभा को जाया कर रही थीं। गृहिणी बनने के बाद उनमें से शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन वह साड़ी लहराते रैंप पर इठलाते हुए कैट वाट कर अपनी सुंदरता तथा प्रतिभा का जलवा बिखेरेगी।

आखिरकार श्रीमती पोद्दार ने उनके इस अनदेखे सपने को पंचम के तत्वावधान में होटल ताज में गृहिणियों के फैशन शो को आयोजित करके सच कर दिखाया। जीनत अमान, जूही चावला, सुष्मिता सेन, ऐश्वर्या राय, मधु सप्रे, प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता दत्त सहित तमाम सुंदरियों की भांति फैशन और सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने की दिली इच्छा कभी न कभी इनमें से अनेक प्रतियोगियों ने पाली होगी। उनकी यह इच्छा भले पूरी न हो पायी हो, मगर पंचम के फैशन में भाग लेकर अपनी उस इच्छा की कुछ हद तक भरपायी इन लोगों ने ज़रूर कर ली। इस प्रतियोगिता में विजयी महिला प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

फैशन शो में ग्लैमर, सामाजिक तथा राजनीति के क्षेत्र से जुड़ी कुछ विशिष्ट हस्तियां बतौर जज उपस्थित थीं। समाजसेवी शायना एन. सी., टी.वी. एंकर तबस्सुम आदि फैशन शो में पधारकर प्रतियोगियों का उत्साहवर्द्धन तथा इस आयोजन के बारे में अपने विचार व्यक्त कर चुकी हैं। उन्होंने ऐसे आयोजन करते रहने की बात भी इस अवसर पर मंच से अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए की। श्रीमती पोद्दार भविष्य में भी इस तरह के फैशन शो आयोजित करके महिलाओं की प्रतिभा को लोगों के सामने उजागर करने के लिए कटिबद्ध हैं।

पंचम की ओर से आयोजित टीम फैशन शो के प्रतिभागियों के साथ संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार तथा (दायें) उनकी सुपुत्री समता गोयल

पंचम की ओर से आयोजित डिजाइनर साड़ी के फैशन शो के दौरान शायना एन.सी. श्रीमती रानी पोद्दार के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, साथ हैं सांसद श्रीमती जयवंतीबेन मेहता और श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से ताज होटल में आयोजित फैशन शो में अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार अपनी पुत्री समता गोयल, ट्रस्टी जयश्री शाह तथा ट्विंकल अडुकिया के साथ

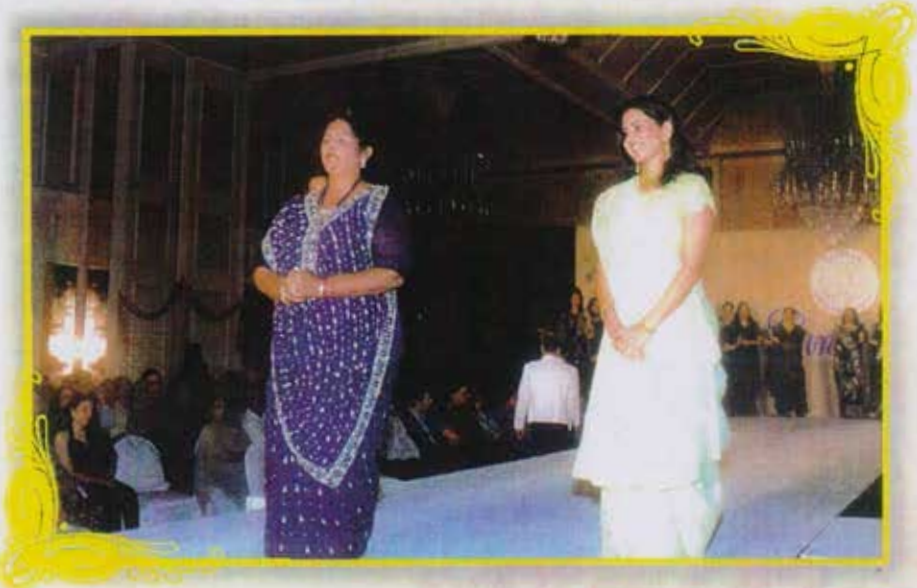

पंचम की ओर से ताज होटल में आयोजित फैशन शो में अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार अपनी पुत्री समता गोयल, ट्रस्टी जयश्री शाह तथा ट्विंकल अडुकिया के साथ

पंचम के फैशन शो के दौरान टीवी एंकर तबस्सुम का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से 2009 में आयोजित पंचम बाज़ार का मुख्य अतिथि महापौर शुभा राउल फीता काटकर उद्घाटन करते हुए, साथ हैं संस्थापिका श्रीमती रानी पोद्दार, सांसद जयवंतीबेन मेहता, अभिनेत्री शिल्पा मेहता, चि. सुक्रीत गोयल, पुलिस आयुक्त हसन गफूर की पत्नी शमन गफूर तथा संस्था की अन्य सदस्य

पंचम बाजार

महिला स्वावलंबन की प्रणेता

महिलाओं के उत्थान, सशक्तीकरण तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने के महती उद्देश्य और संकल्प के साथ श्रीमती रानी पोद्दार ने 'पंचम' की स्थापना की थी। केवल 5 महिला सदस्यों के साथ स्थापित की गयी संस्था 'पंचम' ने अपनी स्थापना वर्ष 1980 से ही महिलाओं को आर्थिक सबलता प्रदान करते हुए उनके हुनर को उजागर करने के लिए 'पंचम बाज़ार' का आयोजन किया था, जिसका उद्घाटन भारत के मशहूर उद्योग घराने टाटा समूह के नवल टाटा की धर्मपत्नी श्रीमती साइमन टाटा ने किया था। पंचम बाजार श्रीमती पोद्दार की एक नयी सोच थी। मुंबई में महिलाओं के लिए आयोजित होनेवाला यह पहला बाज़ार था। इसके बाद इस तरह के कई अन्य आयोजन और लोगों ने किये जिसे देखकर श्रीमती पोद्दार को काफी खुशी हुई कि उनकी सोच को लोगों ने अपनाया और प्रोत्साहन दिया।

पंचम की ओर से 'पंचम बाजार' का प्रति वर्ष आयोजन किया जाता है। वार्षिक 'पंचम बाजार' में पहले मुंबई शहर तथा इसके आसपास के उपनगरों की महिलाएं ही भाग लेती थीं, लेकिन आज इसकी लोकप्रियता का आलम यह है कि इसमें न केवल मुंबई और इसके उपनगरों, बल्कि दूरदराज के शहरों मसलन-बनारस, दिल्ली, जालंधर, चंडीगढ़, बंगलौर, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता इत्यादि की महिला उद्यमी (एंटरप्रेन्योर) भी भाग लेती हैं। पंचम बाज़ार में खरीदारी करने के लिए न केवल आम जनता, बल्कि विशिष्ट हस्तियां भी आती हैं।

पंचम बाजार का उद्घाटन बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन, फिल्म अभिनेत्री रीना राय, पद्मिनी

महिला स्वावलंबन की प्रणेता श्रीमती रानी पोद्दार ने पंचम बाजार की बढ़ती लोकप्रियता का राज बताते हुए कहा कि इसका आयोजन हम कुछ कमाने या बचाने के उद्देश्य से नहीं करते, बल्कि हमारा मकसद होता है जरूरतमंद महिलाओं को 'पंचम बाजार' के जरिये अपनी कला तथा हुनर दिखाने के साथ ही आर्थिक आजादी प्राप्त करने का मौका मिले ताकि आज बढ़ती महंगाई और जरूरतों को पूरा करने में वह अपने परिवार तथा जीवन साथी की मदद करते हुए सच्ची सहयोगी बन सकें।

कोल्हापुरे, राजनीतिज्ञों में प्रकाश दादा पाटिल, गोपीनाथ मुंडे, महापौर शुभा राऊल, टीवी एंकर पारिजाद कोला, तनाज इरानी, सांसद जयवंतीबेन मेहता, छगन भुजबल, शिवनेता प्रमोद नवलकर, फिल्म अभिनेत्री आयशा जुल्का तथा मुंबई की शेरिफ इंदु शहानी सहित तमाम विशिष्ट हस्तियों के करकमलों से हो चुका है। पंचम की ओर से 'पंचम बाजार' के माध्यम से उपलबध कराये गये प्लेटफार्म के जरिये महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित वस्तुओं को यहां बिक्री के लिए रखा जाता है। यहां रखी गयी वस्तुओं को खरीदारों का जोरदार प्रतिसाद मिलता है। कई बार आलम यह होता है कि यहां इतनी ज्यादा भीड़ हो जाती है, जिसे संभालना कठिन हो जाता है।

महिला स्वावलंबन की प्रणेता श्रीमती रानी पोद्दार ने पंचम बाजार की बढ़ती लोकप्रियता का राज बताते हुए कहा कि इसका आयोजन हम कुछ कमाने या बचाने के उद्देश्य से नहीं करते, बल्कि हमारा मकसद होता है जरूरतमंद महिलाओं को 'पंचम बाजार' के जरिये अपनी कला तथा हुनर दिखाने के साथ ही आर्थिक आजादी प्राप्त करने का मौका मिले ताकि आज बढ़ती महंगाई और जरूरतों को पूरा करने में वह अपने परिवार तथा जीवन साथी की मदद करते हुए सच्ची सहयोगी बन सकें।

बकौल श्रीमती रानी पोद्दार वैसे तो हम वार्षिक 'पंचम बाजार' में स्टॉल लगानेवाली महिलाओं से बहुत मामूली किराया लेते हैं फिर भी यदि कोई महिला यह मामूली किराया देने में भी असमर्थ हो तो हम उसे मुफ्त में स्टाल देते हैं। उन्होंने कहा कि यहां स्टाल लगानेवाली महिलाओं से हम सिर्फ यही अपेक्षा करते हैं कि वह अपने स्टॉल पर प्रत्येक वस्तु की बिक्री वाजिब तथा कम से कम मुनाफा लेकर करे। श्रीमती पोद्दार ने कहा कि हम किसी गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) से किराया नहीं लेते और उन्हें स्टॉल मुफ्त में उपलबध कराते हैं।

'पंचम' के इस सार्थक प्रयास का ही नतीजा है कि इस वार्षिक बाजार में बेहतर से बेहतर चीजों की बिक्री एकदम वाज़िब मूल्य पर होती है। लगातार 30 वर्षों से 'पंचम बाजार' का आयोजन विशुद्ध धर्मार्थ की भावना से किया जा रहा है, जिसे प्रति वर्ष और अधिक लोकप्रियता तथा प्रतिसाद मिल रहा है।

श्रीमती पोद्दार को इस बात की काफी खुशी है और साथ ही संतोष भी कि मैंने महिलाओं को एक प्लेटफार्म दिया, जहां महिलाएं अपनी कला का प्रदर्शन भिन्न-भिन्न रूप से कर सकें।

पंचम के सबसे लोकप्रिय आयोजन पंचम बाज़ार में उमड़ी खरीदारों की भारी भीड़ का अद्भुत नजारा

पंचम की ओर से आयोजित पंचम बाज़ार के उद्घाटन समारोह में श्रीमती रानी पोद्दार के साथ नज़र आ रही हैं मुख्य अतिथि फ़िल्म अभिनेत्री रीना रॉय, साथ हैं कमेटी मेंबर ट्विंकल अडूकिया

पंचम की ओर से आयोजित पंचम बाजार में मुख्य अतिथि के बतौर पधारे श्री प्रकाश पाटिल का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से बजाज भवन में आयोजित पंचम बाज़ार के उद्घाटन समारोह में पधारे भाजपा नेता श्री गोपीनाथ मुंडे का फूलों का गुलदस्ता प्रदानकर स्वागत करने के पश्चात उनसे चर्चा करतीं श्रीमती रानी पोद्दार

टीवी एंकर पारिजाद कोला (बायें) तथा टीवी अभिनेत्री तनाज ईरानी के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से 2008 में आयोजित एक कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारंभ करते हुए ग्रीन लॉन स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती किरण बजाज, छाया मोमाया, साथ हैं (बायें) टीवी एंकर पारिजाद कोला के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

पूर्व मिसेज वर्ल्ड अभिनेत्री प्रियंका बत्रा तथा टीवी एंकर पारिजाद कोला के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से 2008 में आयोजित पंचम बाज़ार में श्रीमती रानी पोद्दार अपने विचार व्यक्त करते हुए, साथ हैं (दायें) अभिनेत्री तथा गायिका इला अरुण, सेलेब्रिटी डॉली ठाकुर तथा सांसद जयवंतीबेन मेहता

चि. सुक्रीत गोयल मुख्य अतिथि पारिजात कोला को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए, साथ हैं श्रीमती रानी पोद्दार एवं पूर्व महापौर श्रीमती शुभा राउल

पंचम की ओर से आयोजित पंचम बाज़ार में बिक्री के लिए रखी वस्तुओं का अवलोकन करते हुए संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

परिचर्चा

जन-समस्याओं पर पैनी नज़र

आम जनता तथा समाज से जुड़ी विभिन्न समस्यओं तथा मुद्दों पर श्रीमती रानी पोद्दार काफी पैनी नज़र रखती हैं। अपने इस सामाजिक सरोकार तथा जन-समस्याओं के समाधान के लिए वह उस क्षेत्र के विभिन्न विशिष्ट व्यक्तियों के साथ परिचर्चाओं का आयोजन करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने भारत के प्रसिद्ध धार्मिक ग्रंथ रामायण, जिस पर रामानंद सागर ने लोकप्रिय धारावाहिक 'रामायण' बनाया था, उनको आमंत्रित किया था। इस विषय पर श्री सागर ने बहुत अच्छा सारगर्भित व्याख्यान दिया था, जिसे सुनकर उपस्थित दर्शक भाव-विभोर हो गये थे।

श्रीमती पोद्दार ने पंचम के बैनर तले 'पुलिस की सार्वजनिक जीवन में भूमिका' विषय पर परिचर्चा आयोजित की थी, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी डॉ. पी.एस. पसरीचा ने भाग लिया था और लोगों को पुलिस की भूमिका के संबंध में गहन और विस्तृत जानकारी प्रदानकर लोगों की शंकाओं का निवारण किया था। श्रीमती पोद्दार ने 'पंचम' के रजत जयंती वर्ष में पदार्पण के अवसर पर होटल ताज में 'औरतों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान' विषय पर परिचर्चा आयोजित की थी, जिसमें प्रसिद्ध गीतकार एवं कवयित्री श्रीमती माया गोविंद तथा फ़िल्म और टीवी अभिनेता शेखर सुमन ने भाग लिया था। उक्त विषय पर इन दोनों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करके महिलाओं की समाज में भूमिका स्पष्ट की थी।

श्रीमती पोद्दार को भारतीय नृत्य कला से बेहद लगाव है। अपने इसी अनूठे लगाव के कारण उन्होंने 'कत्थक से जीवन में उल्लास' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया था। इस परिचर्चा में 'कत्थक क्वीन' के नाम से मशहूर सितारा देवी ने कत्थक नृत्य की बारीकियों और जीवन पर इसके प्रभाव के संदर्भ में अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किये थे।

श्रीमती पोद्दार को भारतीय नृत्य कला से बेहद लगाव है। अपने इसी अनूठे लगाव के कारण उन्होंने 'कत्थक से जीवन में उल्लास' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया था। इस परिचर्चा में 'कत्थक क्वीन' के नाम से मशहूर सितारा देवी ने कत्थक नृत्य की बारीकियों और जीवन पर इसके प्रभाव के संदर्भ में अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किये थे।

टेलीविजन आज हर आम-ओ-खास के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। इसके अच्छे और बुरे दोनों तरह के प्रभाव समाज पर पड़ रहे हैं। समाज पर पड़ रहे इसके प्रभाव को लेकर श्रीमती रानी पोद्दार ने 'पंचम' के तत्वावधान में 'टेलीविजन का आम जनता पर प्रभाव' विषय पर परिचर्चा आयोजित की थी, जिसमें हिंदी फ़िल्मों के चरित्र अभिनेता किरण कुमार ने भाग लेकर इसके दुष्प्रभाव या अच्छे प्रभाव के संदर्भ में अपने विचार काफी प्रभावशाली तरीके से व्यक्त किये थे।

पंचम की ओर से पुलिस की सार्वजनिक जीवन में भूमिका विषय पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पी. एस. पसरीचा का स्मृतिचिह्न प्रदानकर स्वागत करते हुए संस्थाध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से रामायण पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर प्रसिद्ध फ़िल्म तथा लोकप्रिय धारावाहिक रामायण के निर्माता-निर्देशक रामानंद सागर रामायण पर व्याख्यान देते हुए, साथ हैं (बीच में) संस्थाध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार, हिंदी फिल्मों के हास्य अभिनेता देवेन वर्मा, पति कैलाश पोद्दार तथा समता गोयल

सेंसर बोर्ड की सदस्य श्रीमती रानी पोद्दार फिल्मी समस्याओं पर बिग बी अमिताभ बच्चन से विचार-विमर्श करते हुए

पंचम की ओर से कत्थक से जीवन में उल्लास विषय पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर मुख्य अतिथि कत्थक क्वीन के नाम से प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सितारा देवी (दायें) के साथ संस्थाध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार तथा अन्य अतिथि

पंचम की ओर से अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष के मौके पर होटल ताज में औरतों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान विषय पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए फ़िल्म तथा टीवी अभिनेता शेखर सुमन, साथ हैं संस्थाध्यक्ष श्रीमती पोद्दार

पंचम की ओर से 2006 में टेलीविजन का आम जनता पर प्रभाव विषय पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर फ़िल्म अभिनेता किरण कुमार का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए संस्थाध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

समाज सेवा एवं व्यवसाय पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर मुंबई की शेरिफ इंदु शहानी से सम्मान प्राप्त करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

000000

Zamir ka batchit karte huye
Photo lagana hai

पंचम की ओर से होटल ताज में औरतों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान विषय पर आयोजित परिचर्चा के अवसर पर कवयित्री तथा गीतकार श्रीमती माया गोविंद का स्वागत करती हुई संस्था की अलका गुप्ता एवं नीरा जैन, पीछे माईक पर अपने उद्‌गार व्यक्त करती हुईं संस्थाध्यक्ष श्रीमती रानी पोद्दार

पंचम की ओर से आज की शिक्षा का बच्चों पर प्रभाव विषय पर आयोजित परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में पधारीं श्रीमती किरण बजाज का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

मुख्य मंत्री अशोक चव्हाण से नवभारत टाइम्स का प्रतिष्ठित 'उड़ान' पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार (2010)

निःस्वार्थ समाज-सेवाओं का प्रतिफल

श्रीमती रानी पोद्दार विगत तीन दशक से समाज-सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं। उनकी समाज-सेवा का क्षेत्र काफी विस्तृत (डाइवर्सीफाइड) है। शायद ही किसी अन्य समाज-सेवी महिला ने इतने क्षेत्रों को अपनी समाज-सेवा में शुमार किया होगा। इन तीन दशकों में श्रीमती पोद्दार ने पूरे समर्पण, लगन तथा शिद्दत से अपनी विभिन्न सामाजिक ज़िम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी किया है। निःस्वार्थ तथा निष्काम भाव से की गयी उनकी सेवाओं का ही प्रतिफल है कि उन्हें मिले पुरस्कारों का पोर्टफोलियो भी काफी विस्तृत (डाइवर्सीफाइड) है। उन्हें सामाजिक, धर्मादा, सांस्कृतिक, धार्मिक, पर्यावरण तथा व्यवसाय सहित विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कार तथा सम्मान प्रदान कर विभूषित किया गया।

श्रीमती पोद्दार को जिंदगी में सबसे पहले प्राप्त होनेवाला एवार्ड था 'मिस मसूरी एवार्ड'। मद्रास जेसीज की ओर से 1985 में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में जेसीज / जेसीरेट्स के रूप में सहभागिता तथा उपलब्धियों के रूप में उत्कृष्ट जेसीज के बतौर चार राष्ट्रीय एवार्ड प्राप्त हो चुके हैं। स्टेट डायरेक्टर ऑफ जेसीजरेट्स विंग के रूप में विभिन्न 'एप्रीसिएशन सर्टिफिकेट' प्राप्त हो चुके हैं। 'कीप मुंबई क्लीन एंड ग्रीन' कमिटी की ओर से 'एप्रीसिएशन एवार्ड' प्राप्त हो चुका है। शहर के प्रतिष्ठित महिला क्लब 'पंचम' की ओर से 'क्वीन इन द नेकलेस ऑफ मुंबई' सम्मान से विभूषित हो चुकी हैं। महिला उद्यमी के बतौर 'वर्ल्ड ऑफ प्रियंका एवार्ड' प्राप्त हो चुका है। योग गुरु बाबा राम के हाथों सामाजिक कार्यों के लिए 2008 में 'सर्वोपरि महिला एवार्ड' प्राप्त हो चुका है। 'कानपुर सोशल ग्रुप' की ओर से समाजसेवा तथा व्यवसाय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए 'एप्रीसिएशन एवार्ड' प्रदान कर सम्मानित किया जा चुका है। राजस्थानी सेवा संघ, अंधेरी (पूर्व), मुंबई की ओर से 2008 में 'समाज रत्न'

एवार्ड प्राप्त हो चुका है। समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 2009 में 'मेयर ट्रॉफी' प्राप्त हो चुकी है। मानव सेवा केंद्र, मुंबई की ओर से 2009 में 'राजस्थान रत्न एवार्ड' प्रदान कर सम्मानित किया गया। मरीन लाइंस जेसीज की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए 2009 में 'आउटस्टैंडिंग सिटीजन एवार्ड' प्रदान कर विभूषित किया गया। शैला वेल्फेयर ट्रस्ट की ओर से सामाजिक तथा व्यावसायिक गतिविधियों में सहभागिता के लिए मुंबई के शेरीफ के हाथों 'आउटस्टैंडिंग सिटीजन एवार्ड' प्राप्त कर चुकी हैं। इसके अलावा समाज-सेवा के लिए आर.के. एचआईवी इंटरनेशनल की ओर से 'यंग मदर टेरेसा एवार्ड, महाराष्ट्र स्टेट जेसीज का सम्मान, राजश्री बैनर के ताराचंद बड़जात्या के हाथों सम्मान प्राप्त हो चुका है। जी.एस. पोद्दार स्कूल की ओर से 'सर्वश्रेष्ठ नागरिक सम्मान' से विभूषित हो चुकी हैं। राष्ट्रीय पुस्तक मेला कानपुर-2008 में पं. प्रेमचंद अग्निहोत्री स्मृति सम्मान के रूप में कानपुर की बेटी के मुंबई शहर में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'कानपुर रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। बंबई अग्रवाल सामूहिक विवाह सम्मेलन से पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। व्यवसाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नवभारत टाइम्स की ओर से प्रदत्त 'उड़ान' (2010) पुरस्कार भी इनके पुरस्कारों के खजाने की शोभा बढ़ा रहा है। 'वूमेन ऑफ सब्स्टेंस' पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से श्रीमती पोद्दार 'एंजेल ऑफ द सिटी' की उपाधि से नवाजी जा चुकी हैं।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल रोहिणी की ओर से 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका की ओर से 'विश्व महिला दिवस' पर प्रशस्ति-पत्र तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जा चुका है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्री सुशील कुमार शिंदे भी समाज-सेवा एवं उत्कृष्ट व्यवसाय के लिए श्रीमती पोद्दार को सम्मान प्रदान कर चुके हैं। महाराष्ट्र पुलिस की ओर से 1996 में दीवाली मेलावा (सम्मेलन) में जज की भूमिका के लिए उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया था।

दिन-प्रति-दिन इन पुरस्कारों तथा सम्मानों की संख्या में और इजाफा हो रहा है। उम्र के इस पड़ाव (58 वर्ष) में भी जिस मुस्तैदी तथा कर्मठता के साथ वह अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं, उसे देखते हुए यही कहा जा सकता है कि निकट भविष्य में असंख्य पुरस्कार और सम्मान उन्हें अवश्य प्राप्त होंगे और वह आकाश की बुलंदियों को छुएंगी।

व्यवसाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महिला उद्यमी का 'द वर्ल्ड ऑफ प्रियंका गांधी एवार्ड-2006' तथा नवभारत टाइम्स का 'उड़ान' (2010) पुरस्कार भी इनके पुरस्कारों के खजाने की शोभा बढ़ा रहे हैं। 'द डाइमंड इन द नेकलेस ऑफ मुंबई' तथा 'वूमेन ऑफ सब्स्टेंस पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी है। टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से श्रीमती पोद्दार को 'एंजेल ऑफ द सिटी' की उपाधि से नवाजा गया।

'महापौर पुरस्कार' के साथ श्रीमती रानी पोद्दार, साथ (दायें) हैं श्री कैलाश पोद्दार एवं नाती सुक्रीत गोयल

मिस मसूरी के ताज के साथ श्रीमती रानी पोद्दार, साथ में हैं श्री कैलाश पोद्दार एवं अन्य निर्णायकगण

उत्कृष्ट समाजसेवाओं के लिए महाराष्ट्र स्टेट जेसीज पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार। साथ नज़र आ रहे हैं श्री कैलाश पोद्दार तथा अन्य पदाधिकारीगण

उल्लेखनीय समाजसेवा के लिए राजश्री प्रोज़क्शन के श्री ताराचंदजी बड़जात्या से सम्मान प्राप्त करते हुए

समाज के ज़रूरतमंदों तथा ग़रीबों की सेवा के प्रति समर्पण तथा लगन एवं व्यवसाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्री सुशील कुमार शिंदे श्रीमती रानी पोद्दार को ट्रॉफी प्रदानकर सम्मानित करते हुए

उल्लेखनीय समाजसेवा के लिए राज्यपाल .... के हाथों सम्मान प्राप्त करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता श्रीराम लागू से सम्मान प्राप्त करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

श्री राम मेघे के हाथों श्रीमती रानी पोद्दार उत्कृष्ट व्यवसाय के लिए पुरस्कार प्राप्त करते हुए

भारतीय जेसीज की ओर से बनारस में आयोजित 30वें राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रीमती रानी पोद्दार का सम्मान करते हुए संस्था के पदाधिकारीगण

'वर्ल्ड ऑफ ग्रेट फेसेस' की ओर से आयोजित समारोह में डॉ. राजम नटराजन पिल्लै 'उत्कृष्ट समाज सेविका सम्मान' प्राप्त करनेवाली श्रीमती रानी पोद्दार का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन करते हुए

जी.एस. पोद्दार स्कूल में आयोजित समारोह में श्रीमती रानी पोद्दार को सर्वश्रेष्ठ नागरिक सम्मान से विभूषित करते हुए

'श्रेष्ठ महिला उद्यमी' के लिए प्राप्त 'वर्ल्ड ऑफ प्रियंका गांधी अवार्ड-2006' की ट्रॉफी के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

राजस्थान क्लब, दिल्ली द्वारा आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती रानी पोद्दार का फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मान करते हुए

ओबेराय होटल में सिटी बैंक की ओर से आयोजित समारोह में पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं नीरा जैन, कुसुम केडिया, सरोज कोठारी

श्री रामलीला महोत्सव समिति की ओर से 2009 में आज़ाद मैदान, मुंबई में आयोजित रामलीला के अवसर पर श्रीमती रानी पोद्दार का पुष्पहार पहनाकर सम्मान करते हुए श्रीमती रमा पांडे

नाना नानी पार्क में 2009 में दीपावली के अवसर पर आयोजित स्नेह सम्मेलन की सम्माननीय अतिथि श्रीमती रानी पोद्दार यूनियन बैंक के सीईओ, आयोजकों तथा अन्य अतिथिगणों के साथ दीप प्रज्ज्वालित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए

श्री हरि सत्संग समिति की ओर से आयोजित एक धार्मिक समारोह में श्रीमती रानी पोद्दार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

ग्रीन लॉन स्कूल में आयोजित 'फन फेयर' कार्यक्रम में जज के रूप में श्रीमती रानी पोद्दार

हरि सत्संग समिति की पदाधिकारी श्रीमती रानी पोद्दार का सम्मान करने के पश्चात उनका मुंह मीठा करते हुए

आर. के. एचआईवी इंटरनेशनल की ओर से उत्कृष्ट समाज-सेवा के लिए प्राप्त 'यंग मदर टेरेसा एवार्ड' की ट्रॉफी के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज-सेवा के लिए श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ की ओर से प्राप्त ट्रॉफी के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

गरिमा साहित्य परिषद, मुंबई की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के बतौर अपने उद्‌गार व्यक्त करतीं श्रीमती रानी पोद्दार

एजेंल ऑफ द सिटी का ताज़ धारण किये हुए श्रीमती रानी पोद्दार

राजस्थान दिवस समारोह में 'समाज रत्न एवार्ड' ग्रहण करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार, साथ हैं श्री कैलाश पोद्दार

सर्वोपरि समाज सेविका का सम्मान प्राप्त करने पर बाबा रामदेव का धन्यवाद करतीं श्रीमती रानी पोद्दार

राजस्थानी क्लब, दिल्ली की ओर से श्रीमती रानी पोद्दार को सर्वश्रेष्ठ महिला समाजसेवी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर संस्था की पदाधिकारियों के साथ श्रीमती रानी पोद्दार

साहित्य कला मंच के पदाधिकारी श्री कैलाश पोद्दार तथा श्रीमती रानी पोद्दार का हार पहनाकर सम्मान करते हुए, साथ हैं सांसद श्रीमती जयवंतीबेन मेहता

मद्रास जेसीस के पदाधिकारियों से जेसीस नेशनल एवार्ड ग्रहण करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंच से अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती रानी पोद्दार

दशहरे के अवसर पर मुंबई के क्रॉस मैदान में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव-2009 में मंच पर श्रीमती रानी पोद्दार का समिति की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर नाती सुक्रीत गोयल तथा बेटे शुभम के साथ श्रीमती पोद्दार और संस्था के पदाधिकारीगण

मारवाड़ी महासभा की ओर श्रीमती रानी पोद्दार को महापौर बंगले में पर्यावरण पर आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र की महिला इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्रीमती पोद्दार को मनोनयन पत्र देते हुए महापौर श्रीमती श्रद्धा जाधव, साथ हैं श्री महेश राठी एवं श्री ओमप्रकाश चौधरी

NBT
नवभारत टाइम्स
उड़ान
Celebrating Hindi Achievers
नवभारत टाइम्स 60

डायमंड इन द नेकलेस ऑफ मुंबई

एन. आर. प्राइवेट लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर रानी पोदार के लिए बिजनेस यदि पूजा है तो समाजसेवा धर्म है। आर. के. एंटरप्राइजेज, बाबा एक्सपोर्ट्स व बाबा एंटरप्राइजेज के जरिए बिजनेस को डायवर्सिफाई कर एन. आर. प्राइवेट लिमिटेड की यह एमडी बिजनेस के हर उस क्षेत्र में अपने पंख पसार रही है, जो उनके बिजनेस को नई ऊंचाईयां प्रदान करे। बिजनेस की बुलंदी छूने की इस चाह में समाजसेवा उनके लिए वह रोशनी है, जो उन्हें लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। शायद यही वजह है कि पेट की मेजर सर्जरी के 15 दिन बाद ही जब प्रेसिडेंट ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लगाए जाने वाले पंचम बाजार के लिए [illegible] तो वही ऑफिस में वर्करों की मीटिंग के लिए भी समय पर हाजिर हो जाती हैं। समाजसेवा व बिजनेस दोनों ही मोर्चों पर बेहतर बैलेंस बनाने वाली रानी पोदार एक ऐसी एचीवर्ड महिला की मिसाल पेश करती हैं, जो यह दिखाती है कि धुन, लगन और कुछ करने का जज्बा हो तो सफलता व संतोष दोनों हासिल किया जा सकता है।

बिजनेस व समाजसेवा का बढ़िया बैलेंस

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पैसे को लेकर [illegible]

[illegible]

समाज सेवा की एक लगन ऐसी भी

[illegible]

[illegible]

पंचम का पंचशील

[illegible]

औरों के लिए मिसाल

[illegible]

[illegible]